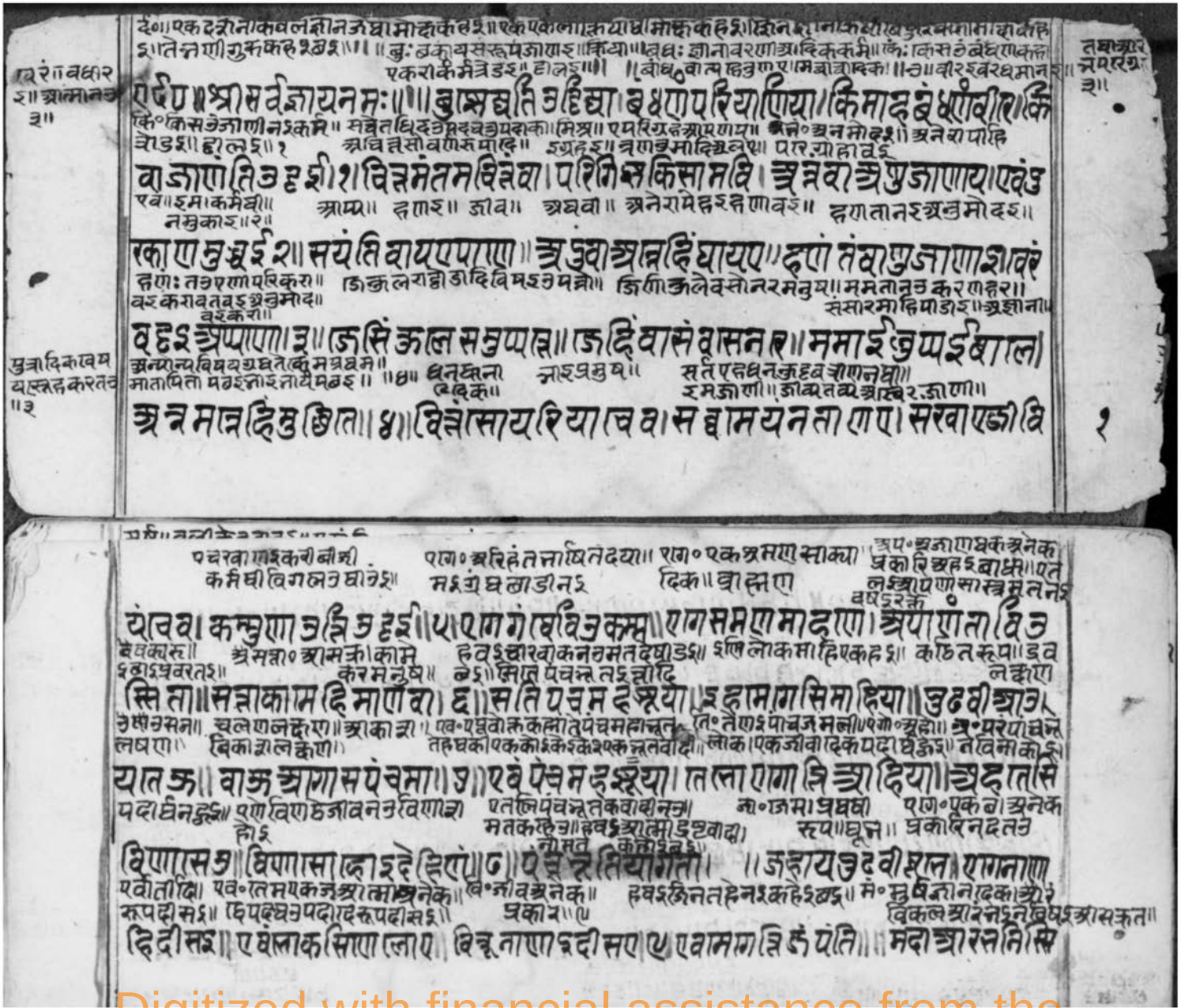

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

एग॰कएककोडरूवपाप तच्च॰डुखपामइत्तोगवइ॥ सर्वगवादीनइमतकहेइ
कम्मकरी।सयं॰स्वयंआप हवइतम्हीवतच्चारवाद॥
णपइरू नइमतकहइइ॥

या॥एगकिच्चासयंपावं।तिव्वेडरकंनियछइ॥१०॥ सर्वगतवादीगता॥ ॥॥पत्तयंकसिणओ

नुत्तोक्ताजीव नघी+= किं॰ जगमाहेजेवाल॥अन्नानी॥ रूयाइछइ॥एरन्नासरीरतकहइ॥ नघीजीवनइअनेरोगति॥ नघ॰नतजीवशरी
ऊ॰तघाजेपंडितेविवकतंसवे तेआत्मापरलोकिनजाइ॥एत्तलइ रवाहीइमकहइ॥पुन्य
आइरइतिनम्हापुण्णकर्मी जावइ॥

या।जबालाजयंपंडिया॥सतिपजाणतसिंति॥नडिसान्नावंवाइया॥११॥एडिउत्ते
पुन्यनघी॥ अतनपरातन्नोकयपुण्यनघी॥ सरीरनइखवनइइ विणासहोइ॥गेघकारणइहनवकारण
पापपुण्यनघी॥ जेतलेदृष्टिआवइतेतलुनवइ कहेइआत्मानव॥११

चूपावंव॥ नडिलाएइवपए॥सरीरस्सविणासएं॥विणासादाइदहिणा॥१२॥
इणिकारणिआनत्तीनइन्नविघन॥ सर्वव्यापीआत्मक्रियानव॥ जदएतोजनबद्धक्रियाप्रतिबिंबआत्मा॥पद॰पणिपरिश्रकार
पापपरलोकनासनावनाकिरियाकी॥ कोरणहारनघी॥तघाकरा करेइ॥पाणतइतन्नापसमुस्तक्रिया॥के आत्मा॥ पद॰
वणहारेपुणिनघी॥ नवनक्कइअन्न

इत्तोगवइप्रपुरूप॥१३ तजीवतच्चरीरवादीगत॥॥॥ऊंचेचकोयेविव॥सवेऊंचुनविछइ॥एवअकारउअप्पाए
तिमआत्मापमतो॥धुवूपएकरी॥ जआत्मासरीरछ॥लोए॰लोकनउस्वरूपकिहो॥ तमाए आत्मानरूपथीनरा
बोलवइ॥जेकरइछइगेकतिमन॥ कोइनथी॥तथा॥ एकजाणइते। जिआइ॥मूर्ख॥
वणतपगभिया॥१३॥जातउवाइणाएवं॥लाएतसिंकतासिया॥तमाउतत्तमेजंति मं 2
आत्मा अकरताइमकहइ

सुर्म॥वलीकेइवाइइ॥एकांति॥ एतलइसांष्यनवमत। बइ।मोचं।महासुत॥इत्त॥इणिजग॥इकेजिममोचस्व
अरंसइ॥निश्रत॥आसक्त॥छ॥ कहेइबद्धआत्माछ॥ माहिइकणितइ॥तंतिमआत्मा
मुक्तावानवमतकहइ कहेइ॥ बइ॥वली

दाअरेणणिस्सिय।१४।अकिरियावइगया॥॥संतिपंचमदरूया।इहमगसिंआहिया॥आयछ
किहिउ॥ आत्माअनइलोकप्रधवी॥१५॥ इइ॥एवंपदार्थसकारणअछवं॥ नवनवपदअएकत्तामाटिइ
आदिएबेहिसमवताइइ॥ निकारणविजावस्मइकरीवणसं॥ नित्यनवेपकृतीबइ
गउणाअकाआयालागयसामए॥१७॥ डुदंतातएविणसंति॥णयपुणएअसविसयया
सवं॰मुदोइ॥पणइपकृता॥एतलइकेपंचखं॰बोधमतीतेपंचखंधबोलइतेकवणविज्ञान॥१॥वेदता२संज्ञा३संस्कार४
पदार्थोडुदवाइतलसदोइतहवाधी॥ रूपपएहरूपअगमाहिछइ॥खणमात्रहइवेवएसति
कहइछ॥१६ नरहइ

नावाणयहीनावमागया१८॥आत्मावइखिवादीगता॥॥एचखंधेसयेतागा।बालाउखणाडा
छनो॰पांचभूततघकीआत्माअनेरवछइ॥ हिंव॰आत्माकिणिहीनवकीधव॥
तेहनइपांचभूततातहनइआत्मा।बोधइ॥ नघी॥अनइअनादछणनघी१७॥
मतकहइ

इणाआत्राअणात्राणेवाऊ।एदयंचअदयं१९॥अफलवादीगता॥॥॥पुढवी
एकनव॰एकआकार॥चत्रारि॰ऊणइकारणइ५४पदार्थजगनइधरइयोधइ॥ ॥एवमा॰एवइमकहइस्वआपणपा॥२०
ऊएकआकार२४धेनइरूपमाणिवतिणिकारणधेनुकहाइ॥एतलइएहारेचनरूपठइ॥ छिंता-मानता॥
आऊतऊयातहावाऊयएकउ।चत्रारिअणाएवंमाहुउज्जाणया॥ १८

आगारमावसंताविअरन्नावविएहया।इमंदरिसणमावन्ना।सव्वउकाविउच्चई।१९।तेणाविते णविंतपंचभूत्याद्दसवेदवीनाम्।संघ०ज्ञानावरणीआद्दकर्मनउविवरणजाणइ।तेवाबापडारक्कडुक्कमू क्कावा।नणीसावधीनहुया।तेउघसंसारमानातारणहारतावीकारनकल्ला संधिणजाणा णातधम्मविऊजणा।जातउवाइणाएवा।नातउदतरहिया।२०।तणाविसं धिणजाणे।णातधम्मविऊजणा।जातउवाइणाएवे।णातसंसारपारगा।२१।तणाविसंधि णजाणे।णातधम्मविऊजणा।जातउवाइणाएवे।णातगस्सपारगा।२२।तणाविसंधिणजा णे।णातधम्मविऊजणा।जातउवाइणाएवे।णातऊम्मस्सपारगा।२३।तणाविसधि ३

णजाणे।णातधम्मविऊजणा।जातउवाइणाएवे।णातउरकस्सपारगा।२४।तणाविसंधिन२ २४ अनेकप्रकार३।दुखवेदन नेदनरूप
जाणे।णातधम्मविऊजणा।जातउवाइणाएवे।नातमारस्सपारगा।२५।नणाविदाइदुक्का वलीवलीनोवेगवइ संसारचक्रवालनइविषइ।सीतसंसारव्याधिमरणा।।उच्चा०तस्सुचविरुधनाबो दिकइआऊलवइ लणहारउघनीवघातेके।।
इ।।चउदवेतिउणाउणा।।संसारचक्कयालंसि।।वादिमचुऊराऊला।२६।उच्चावयाणिगं अनेतागर्तिनादुक्खपामइ आगामिइ
होत्ता।गब्भमसंतिणंतासा।नायउत्तमदावीरा।एवमाऊजिणाणाम।त्तिबमि।२७।पढम एकनियति।।वादीनइमतइ।। चवव०उपनाउघकचक्के।। दहस्थित जीवनारकादिनवइ।।एजीव।। चुषदुष नोगवइ
अयणंपढमउद्दसउसमत्तो।।१।।आघायंदुणएगसि।उववन्नाउढाजिया।वेदयंतिदुछ

सकमताड दि॥ अस्सिहं सुखअतर ग॥ अनआ नंदअनेरंग दुखसोका कादितसर्व स्वकृतएणि नही॥ ५॥

जणइ॰ अधवाअणंतरिन्नवोवत्तरि॥ न॰ तेसुघरेदुरवदिक॥ तउअनराकोनश्स्वर स्वनोवादिकतउको धनकिहावी॥ क्रोधउनोदंगवइछइ तिकहाइछइ

दुक्खकेवा खुप्पंतिगणउ॥ १॥ नतेसयंकडंदुक्खो कान्नाअन्नकडंचणं॥ दुहवाऊदुक्खोकाससि

सेही॰ वाहिनासुघचंदन वनीतादि॥ बाहऊदुक्ख तसर्वस्वकृतनइ अन्यकृतपणिनही॥ मंग॰ नवतवंतानइ क्रोधउएतले इऊहजीव॥ नइछसुषादि॥ जिम॥

यंवाअसदिय॥ २॥ नसयंकडंनअन्नदि॥ वेदयंतिदुढाजिया॥ संगइयं तेतहातसि॥ २

उपलारेवइतिमजउपछइ॥ नाय॰ नियतऊअवन्नाक्षि॥ हृदय प्रतिते॥ हृतउक्कारणछरनियतक मेदुषा कोर॥

दामगसिमादियो॥ एवमयाणिऊपंता॥ बाला पंडितमाणिणो॥ णियया णियंसे॥

कोलस्वनावादिजनमतइ॥ एव॰ मगलीवस्तु॥ नियताइनीयत॥ ते॰ कहिअमहएकहवीक्रिया॥ एवं॰ इणिघकारिओपणकिया यानइ॥ कर्मनबधनातहनइ

खिइमलीकारीसधइछइ एह वउसारी अन्नाण॥ ४॥ वतीजेनमानइ॰ तेपासइ॥ पणा परि॥ मुजेकरतामुकुपामस्यु॥ घठा॥ इसवतंतवलीनवइ॰ विषइ

एकंकेइजायएकघकीवारिए॥ मुकुएपामस्यु॥ घकामुक्तिनिविषइ॥ एवंरवइ॥

अजाणताअबुद्धिया॥ ४॥ एवमागउपासछा॥ तेउघोविप्पगज्झिया॥ एवंवहियास्तापण

करावणहारनइछइ॥ एतावेता॥ वेगवंता॥ मगाअरणा॥ पुछा॥ एहवाबता॥ त्राणअरणा॥ रहित॥ अजसंकितस्थान॥ कुरयाजादिके

मुक्तातपुजुचइ॥ ऊधि॥ एतलेशनयतवादीकसी॥ हवइअज्ञान रहीत॥ तहचसंकास्थानजाणइ॥

तउकविमाक्खया॥ ५॥ जविणाभिणऊदासेता॥ एरिताणाणवहिया॥ असंकियाइसेकंति॥ संकि ५

हवअज्ञानवादीनामत॥ उपरिउक्तार्थ॥ कहइछइ॥

मंतघाजेनंकितस्यातनइ तहघकीनसंकाइतमगा दिकजीव॥ ६ पडीयचघीघीसंकाइ पासनइखिपइ अजाणा॥ नयाकल्ल॥ संधीइ॥

यानंअसंकिणा॥ ६॥ एरियाणियाणिसंकंता॥ पासियाणिअसंकिणा॥ अन्नाणनयसंकिणा॥ संपलि

उपरि॥ कुदी॥ हरुघी॥ पिसनइ॥ जाइ॥ मुकाइ॥ मुरषि॥ नखिपइ॥

तितदिंतदि॥ ७॥ अहतंपवसन्नंअदक्षसस्सवाएण॥ मुक्खपयपासाउतेमंदणदेहए

तिमुधिआत्मानोहितनोवारनो॥ निजाणइ॥ एव॰ खपमजेहापासछइ अहि॰ अहितनोजाणीवनजाणइ॥ तिहाआवइघकइ॥ पामइए

उ॥ अहिअप्पअहियपन्नाणं॥ विसमंतप्पवागतं॥ सन्नुपयपासाणं॥ तेघातंनियछ

अनाचारी॥ जेरूडाधरमनाअनुरानछइतहनिइ अधर्मनीसकाआणइ॥ संकि॰ हिसादियापनाकामछइ तिहघानसंकाइ

ईउ॥ एवंउसमणाएगे॥ मिछदिठीअणारिया॥ असंकियाइसेकंत॥ संकियाइअसंकिणो॥

धर्मी॥ रूपरूपणा॥ दयामइ तिहा॥ संकाइ॥ मूर्ष॥ आरंजनइखिपइ॥ संकाइ॥ अव्यक्त॥ अपंडितघको॥ १०

नहा॥

उ॥ धम्मपन्नवणाजासा॥ तेउसंकंतिमूढगा॥ आरंभाणासंकंति॥ अवियत्तासुकाविया॥ ११॥

सव्व॰लोग॥अजिमाण॥माया॥सच्चमावीनइ॥कोध॥कम्मरहितघाइ एअघनाजाणपणाघी रहीत धूवीला॥नजाणइ

सव्वप्पगे विउक्कस्स॥ सव्वरमे विरुणिया॥ अपत्तियं अकंमंसा एय महंमिमंडुत॥११॥ जएयं जाविजा
मृगापसवाधनी परइ आगमिइकालिअनंतामरण
पामस्यइ

णंति॥मिच्छदिठी अणारिया॥ मिगावा पासबंधाता॥ घायमंसंतिणंतासा॥१२॥ मादणासमाण
सव्व॰सघला॥आणपणुजाइ दरीना॥णपणुरुडवेकहइ सर्वलोकमारेह॥किप्राणियाते॥तेकाइनजाणइ॥पतला॥ मलेछ॥
सव्व॰वनीते अज्ञानवादीइमकहइ॥सर्वअपाणीसमगज्ञानरहीत॥१४
सर्वलोकमाहिजेप्राणियातेकाइनजाणइ॥

एग॥सच्चनाणंसयंवदा॥सच्चलोगविरुजपाणा॥ नतिजाणंतिकिंसणं॥१४॥मिलरक्खअमिल
नाघानइकेडइबोलइ॥ परुमाद्यि॥तेनजाणइ पणापरिअज्ञानीसमयुक्ता रहेतमुहाणादि॥
पणापरअज्ञानीस

खुस्सं॥ जहाउन्नाणुसासए॥ णादइसविजाणइ॥ नासियंतंणुसासए॥१५॥एवंनचाणियाणाणं॥
आपमणुन्नानाघमा नखअधं॥अजाणए॥ मलेछनापरिइ॥ अज्ञानवादीतेनी=
णक्करबोलाता॥ ज्ञानरहत॥१६॥ १६॥ अन्नाणियाणावी
वेयताहिसयंमय॥ निछयछंनयाणंति॥ मिलेरक्खवअबोदिया॥

वीमंसा॥ णजाणवा नीइछा॥ नइहेउंलचइ॥ तेइमविमसइ॥नाणंतानइ दोघघणालाग॥अजोणता नइदोघलोनलागइ॥एणइकारण॥ णवइअसमधं एहजइपरिइष्टांतकहवइ॥वनअहवानइवि षइ॥छमकोइ॥एकमछप्राणादसिनइजा

मंसा॥नाणाणविनियछंती॥अप्पणायपरंणालंजंताअन्नापुसासिउं॥१७॥बालसूढजहाजं
मूर्ख॥अंधरंबाण॥ अजाण अतिगहजा॥पामइ१८॥ अंधिजिमकोइएकअंधपणा
मइअंधअज्ञानराअंधनइमारेइ लेइजानइ॥

न॥सूढणायाएगमिए॥दोविएअकोविया॥ तिव्वंसायंनियछइ॥ १८॥ अंधेअंधपहेनिता
जिनइवेगलनइमंधे जाइतेतलइ॥पजचइ॥ कूपंघइ॥तेइंध॥ पाबलानइपणा॥१९॥ इमअजाणअनइअंधनीमारइनावं॥मूढ
अनइनावअंध॥नियअमेमोक्षनाअरथी॥धम्म॰

दूरमणुगछइ॥अवचेअप्पदेजेन॥ अउवापंथाणुगमिए॥१०॥एवंमगणियायठी॥धम्ममाराह
अमेधर्मनाआराक॥ अउ॰वकाय॥णात॰तिसर्वप्रकारइ एव॰एणिपरइएकेकअज्ञान॥अनेरासाचाईनइ
एकवेकद्रीघवजीवन विराधनाकरता सरलमोक्षमार्गन वादीआयणीकल्पनाइसत्य सेवइनही॥
विषइ॥पुरुताघका॥ अधर्मइएहवेइ॥ पामइ करीमानती

गोवयं॥अउवाअदमंमावचा॥णात्सबुधंवदे॥२०॥ एवंमगंवियक्कादि॥नाअन्नंपछवासिया
आपणीजमतिकराइम अम्हारइमार्गसरल एवंकल्पनाइ॥मोक्षकहेता॥ सेवइनही॥
मानइ॥ कुव॰धी २१॥
अपाणायवियक्कादि॥अयंअछिउम्मई २१॥एवंतक्काएसाहेता॥धम्माधम्मेअकोविया॥उक

कर्मबंधा॥ पकरणा॥ २२॥ अमामणउ॥ प्रसंसता॥ निंदतापरनइ॥ जेआमणमउविहस मानता॥

तत्ना इउ दुरंति। संसारमाहिवइ॰ विन्नाणइ॥ बोधसता॥ अवअनेतर॥ परापूर्वइ कहेजे मत॥
संसारंत विउसिया॥ २३॥ अन्नाणदोसया॥ ॥ अदावरंउ ररकायं किरियावादीणदसिणं
कर्मविचारघा॥ संसारंतदनउदर्शन २४॥ हवइजिणिकारणिकर्मचिताघासष्ट
निष्टपमीघघा॥ संसारवृधिकरइछइ॥ तकारणकहइछइकाया वेताम नइऊकोईपुरुष=
कम्मचिंता णगणं॥ संसारस्सपवड्ढणं॥ २४॥ जाणकोणणाइदी॥ अबुदाजेचदिसंति॥
मनइ॥ लागइ॥ घोडउ॥ माय॥ २५॥ कर्मबंधनाकारण सावद्यउपरिमन॥ वचन
कर्मपणि॥
उहाविदइयं॥ अविय्नेरंतुसावद्यं॥ २५॥ सेतिमत्ता अयाणा॥ जेदिकरइपावगं॥ अनिक
हिंसामय॥ मनइकरा॥ अनुमोदइ॥ एतेण्यत्रिणि॥ कर्मबंधनाकारण॥ जेहु॰ कर्मनबंधइछइ॥ एसलइरागेगडु
ण॥ कर्मनाकारणएकछामिलई॥ घविनाजदायकर्मकनकरी तेघाकाया
मायएसाय॥ मणासाअपुज्जाणिया॥ २६॥ एतउत्ता अयाणा॥ जेदिकरइपावगं॥ एवंनोवदि ६

इंद्राणघात॥ घाइतवहीनाजवनाविसुधी॥ अन्नानइ॥ केणीअव॥ आहारइ॥ ग्रहस्व जिमतउ॥ यतीपणि॥
कर्मबंधनलाग॥ तकर्मनइअन्नावइ॥ ज्ञाए॥ न्यायइमारीनइ
मोक्षयामइ॥

सादीए निव्वाणमनिगछति॥ २७॥ उन्नेरियासमारंभ॥ आहारंतअसंजए॥ भुंजमाणायामक्खी
अमणा॰ जेकेइणाक॥ कारणइउयनेमनिकरीघघकरइ॥ चित्त॰ तहन्नुचित्तसूधंन॥ अण॰ जिणाकारणइदर्शनी
नकहीइ॥ इमकायनइछइपकलइमनवा
कम्मणा नाविलिप्पई॥ २८॥ मणासाउजुस्संति॥ चित्तंतिसणिछती॥ अणवद्यंतेतहंति
जेहत्तणी॥ मनइअसूधपणइ॥ ख्व॰ हावइरतअन्यतेतीछी॥ पूर्वीकृत्यइ॥ अनानइअंगि॥ अप्पणाउदत्तानसंसार
संवरइघवनेकनघार॥ घीनइयरंपराइफलेदघोडई कारइकरवइकरी॥ सायो॰ उधरवासमरघमानता॥
लई॥ सुखसीलीयो॥
सिणातंसउउचारिणा॥ २९॥ इत्थयाहिंदिठीहिं॥ नागारवेणिस्सिया॥ सरणंतिमन्नमाणा॥ सवेती
विडंसहित॥ विचालइ॥ विनसइ॥

पावगंजणा॥ इण॥ उदाअसाविणीणावं॥ जाइअंधोकुरुदिया॥ इच्छईपारमागंतुं॥ अंतरायवि
समणएकेक॥ मिछाती॥ अनाजे संसारतउपरउवाडोइ॥ संसारमाहिपत्तवणकरइअ॥
सीयइ॥ इए वंउसमणाएग॥ मिछदिठीअणारिया॥ संसारपारकंखीत॥ संसारअणुपरियट्टंति

जिणघोऽअघव्व सद्दी०सरध्व
घणइ॥अष्टकर्म॥ वर्तयुहस्तइ
त्तगतिकरी
आवाए

शिबमि॥इश॥प्रथमाध्ययनस्यद्वितीयादेशकःसमाप्त॥॥१॥२॥ ऊंकिंचिउइतिकडइ॥सद्दी

हारसीधुनइकीजि॥ सहसघरइ॥ तेतउनीवइएहवइ॥कहाइ॥तेआहारजे॥जिमइवइ॥तेहनविधाकंक ना अजाण॥
नीयाबहइ आतरइ॥जेमइ॥ जीतीएवंक्षिएहासेवतइ॥२ हइवइ॥तिहउनोविधाम॥अजाणता॥संजमना॥संसा एवसम्मं०अष्ट
विधकर्मनउ
मांगेउमाहिंते॥मद्दसंतरियेउंछ॥ उएकत्ववासवइ॥१॥तामवअविजाणंता॥विसमंसिक्यको बंध॥अध्रुवा
जिमभाबला॥लोह॥ पाणीनइ॥आगमइ२ पाणिनइ॥घन्नावइपूरइ॥सुक्किघकुइ॥ततकालतेहज चउरगति॥
कादवमाहिसीदाइविनासए संसारूपइ२॥
पामइ

विया॥मछावसालियाचव॥उदगस्सनियगाम॥२॥उदगस्सएत्तावएण॥चुक्कंसिघंतमिन्ति॥

ढंकएंक्का॥कंकएंक्की मासनालोलपी॥तेहुवीकरइ इमा॥साक्षादि॥एकेक॥ वर्तमान॥सुखाजिलाखी

ढंकदियकंककिय॥आमिसछद्दितउदी॥३॥एवेउसमणाएग॥वइमाणसुदंसिणा

मछामोलाजम॥ मरणथामइअनंतवार हवइअनेराअज्ञाननउमतकहइवइ॥
एहघीअनेरउअज्ञानतणउ॥
मछीवसालियाचव॥घातासंतिणोतासा॥४॥इणमन्नउअन्नाणं॥इहमागसिंआदियंदे ३

देवकृत॥एहलोक॥ ब्रह्माइ अन्यकहइ ईश्वरकृत लोक स्वभावइ जीवाजीवइसहित॥ लोककि
ज्ञानामास
इतवारइ
तिवारइजं
ममरणना
पाउतणा
इमारइमा
यानामजा
वातणाइए
लोमरइ॥
३॥

वउत्तअयंलोए॥बेनउत्तंतिआवरे॥५॥ईसरणकडलाए॥पहाणइतदावरा॥जीवाजीव

सुषइदुखइकरीसहितवइ॥ विष्णु कृत लोक॥ ईसउमहार्षइकहइ॥तिवारइजनसमणनी.
पाउ
समाउत्तं॥सुदंउक्कसमत्तिए॥सयंभुणाकडलाए॥इतिवुत्तंमादसिणा॥मारणसंथयामा

तं०तणइमारइमाया॥नीपजावी॥ एकवाहीं॥एकप्रमाण अंड कृत लोक॥ ब्रह्ममासघला॥तत्त्वनाकरता
तेणइएलोक मरइवइ॥७॥ ए॥ खिंडाघसुष
याएतणालोएअसासए॥६॥मादणासमणाएग॥आदअंडकडजाग॥असातंतमकासीय

ए॥हवइयहकृतातेहनइउत्तरदीइवइ॥जेपूर्वदृष्टीनाकह्या॥ तेकं०परतें॥तत्त्वकाइ एवं०एलो
तेआपणीकल्पनायकरी॥आपणीरकल्पनाइलोकनइकीधउ॥ नजाण कदाचि
(खोटुं)

अजाणोतमुसंवादं॥७॥सएदियस्सिएदिं॥लायंवयंकडंत्तिय॥तंनातणविजाणंति॥णविणा

विणसेनहीए हंसादिअतीचारघी डुषनीएहवइ॥जाणवइ॥ तेउपायसर्वी॥अजाणता॥ किमज्ञाणस्य इ
अनादिअनंतवइ॥ तंतपतिवइ॥ संजम॥१०॥
तीकयाइक्षिए॥अमणुन्नयघुप्पाई॥डक्कामवविजाणिया॥सुणायमजाणंता॥किंदनादितिसं

अनादिअनंतवइ॥तेनणादेएहनइ॥
कत्तीकोइनथी॥एहवइ॥परमारथइजाणइनहीए॥

नइ॥हितअहितना॥ अजाण॥ ऊतनकरवो॥ विचरसि॥ संजमइ॥ नाहतजीवा॥मार्गइवइ॥ तिमतिवि॥नाउत्तर॥ सावधनिवारनाआज्ञाइ॥चालइ॥

णराअसंवुडा। एएकुयतेविदुरादिज्जागवो अप्पाणाएघाउत्तरा। अप्पासाणामवएरकाम॥
वारइ॥सावउं॥कहन पापघकाविरम्याइरसावधा॥क्रोध॥मायानामदण॥ जीवनइ॥नहणइ॥सवेप्र
नजया॥ हार॥ कारइ॥
वीरदिसमंपवदितं। ११। विरयावीरासमुहिया। कोहकायरियाइयासणा॥ पाणाण हणंतिसंघसो।
पाघका॥विरम्या॥ शीतलोल्हत॥१२॥ जनहीपाडावन॥रवे॥ पीडाइछइ॥लोकमाहिपा० एकजीवाइम॥ इमजीवाइसाहत
दुखइनहो = आलोचीनइ
पावाउविरतानिनिवुडा॥ १२॥ एवितीअहामवुप्पए।वुप्पंतीलोगसिपाणिणा॥ एवंसदिएयास
स्नेहतघाकोरेधरहित॥परीसहेपीडइघ परीहाकरइ॥नातिनइलेयजम॥ डुबेलकरइआरा२॥ अणसणोदितप
कइ समगुअदियासए॥१३
ए अणादत्तुहअदियासए।१३।हुणियाऊलियंवलवंवे॥ किसाददमणसणाइहि॥ च
अहिंसाजआदेरी॥पवरनइ॥एअंस सुवंजइ॥कहन॥१४॥ पंथिणी॥जम॥अंगधूणीनइ अंगधूणीनइ॥परलोक
पअहिंसालक्काणधरम्म॥ रजइघडेरडी
हिदिसामवएवए अप्पधम्मा हुणिणा पवदिता।१४॥सणीऊदएखुडिया।हिऊणियधंसयती

२६॥बलीगी॥ इमंमुक्तियोग्यतपर्वत॥ कर्म॥खपावइ॥तपसि॥वृक्षण॥१५ संजमवंतसाधु॥अणगार॥ नतरोत्तरसंजमे
रज एघणारक्ततपसी॥ स्थानेकेवरचत
इ॥तपस्वीसाधन इ

सियरयं। एवंदितावदाणवं। कम्मंखवंतितवसिमादाणं।१५।हियमाणमारामसणं। समणंगणहितं
तपसीसाधनइ॥बालकाइनदिवडो॥ आपणइवसिकरीनसकइ॥१६॥ ऊदपिदयामणवचनबोलइ॥ जनु॥रोइछु
मामादिघरघइ॥ चनिमतइ
तवसिणो ऊदराउहाएपछए। अविमुस्समनयंलत्तऽणं।१६ऊकालुणियाणिकासिया ऊइलाये
पितादिक॥ मुक्तियोग्य॥जती॥सावधान॥स्नेहनवीनसकइ संजममूकावी॥ नइतेसंबोधीनोगरकरीनोनवइ
नसकइ॥१७॥
तियउत्तकारणा। दवियंनिरुकसमुहितं॥ णाणलभंतिणसंवित्तए।१७।ऊइवियकामदिलाविया
लेईजाइ॥बांधीघरचगा॥जीवतइ॥नवालइ॥ तइनइकनवीनसकइसंजम॥ सिहे०साधवइ॥
मुकीवीनसकइ॥१८॥ अत्यत॥
ऊइणघादिणेवेखिउघरं ऊतिक्खीवियनावकेरवए॥ णालभंतिनसंवित्तए।१८। एसदंतियणो
संत॥स्नेही॥माता॥पिता॥उत्त॥भाई॥ अलेदुखीनइदिखिसुकाम॥ इहलोकइपरलोकिमिटइसेइ
दुखाइछइ॥ तिन्नणीअमहनपीघइ॥
ममाइणा। मातापिया एसुयाएनाहिया। पासाहिणापासउउमं। लागपरंपिऊदाहिणासणा।१९

सिया० सुक्ष्म बादर नारक पुकोर आ श्रितव्रइ॥२

नमणाकधर्म्मतिणिसहित॥ सचछि०सर्वेपरिग्रहरखिवुरघअप्रतिबंध॥ ६इजिमसदाइ॥ धर्म्मपग्रहाकरइ॥आदि
निरागपणइ॥ अदिजेनप्रणीत॥

णा॥ द्वा बज्झजूणा मणोमिसे वुड॥ सचछिदिणारअणिसिए॥ दए वसया अणादिल्ल॥ धम्मपउक्कासि कास
अनेता जावजूजूया॥ प्रतेकासरीरा॥ देषइ॥ जेसंजम॥ पदइ॥ सावद्यन॥ विरति जीवघान नइखिपइ
इघकइसो विरतिकीधीइ॥ पंडित

वे॥ ग॥ बदावणा उद्धासिया॥ पत्तेय समयं ससादिया॥ जामाणपदंउवदित॥ विरतितछअकासिपं
ना॥ सुत्तचा खिस्मपधर्मनइ॥ आरंभावद्यअनुष्ठानघा॥ वेगलनइरहइ॥ सो० जेएहवासंजमीनहुइतिसरणआव्य
पारगामीसाध॥ इघकइसोचइयबोचताअसरघकाबुग्रतहोइसमताना करेतापरनणमइआपणइ॥ परिग्रह॥

डितज॥ धम्म सयपारए मुणी॥ आरंभस्सयअंतए ठिए॥ सोयं तियणं ममाइणं॥ णायलेतिनियं परि
इहलोकइएधनादि कुखन॥ परलोकइपणा पुत्रेसवीकर॥ अतित्यस्वन्नावइहनइ॥ जाणतो
उकारणजाणी॥ वाहनइकारण॥ जाण

यहंए॥ इहलोगउदावदंविदा॥ परलोगयजहंउदावदं॥ विवेसणधम्ममववं॥ इतिविछंको
गृहवासमेवइ१०॥ मोटइ॥ कदमअंतरंगजाणइ॥ जेराजदितीवदना॥ वस्त्रादिदान॥ एसुद्धम्मजीव्यइ॥
गारवमादास॥ १०॥ मदतापणिगावजाणिया॥ जाविय वंदणा॥ इयणाइहं॥ भुजमसंथिउ सुव्वय १३

विवेकी॥ मूकइलाहइ॥ मौविचरइएक॥ आसुणइणि॥ पाटिआदिकहुतहोएकाकममा नेमकु० साधुतपनि
जिवाजादिकनइपरचय॥११॥ लनइकाउसग॥ एकलीजवे॥ धमाकतपतलइजेजियाकरइतसर विषइबलवीजवत
करइ॥ इसइ॥ वरागहुघरहितममाधवतघकइकरइ॥ हुइ॥

विउमेतापुजादघसंवरे॥११॥ एगचारगणामासाए॥ सयणेएगसमादिए सिया॥ निक्कउवक्खाणवीरि
खमाखानइबोलणेलावहोइ॥ मौतो॥ नहाकइ॥ नइन्हाइइ॥ घरं॥ सुनाघरनापा॥ कथा॥ सुव्वय॥ नबोलइसाव
संजमइघरीकरतोहुइसाहते॥१२॥ द्यवजन॥

एवइउत्तअसंठसंवुडे॥१२॥ एणापीदसावयं गुणं॥ दारसुन्नघरस्स संजए॥ पुछणा उदादारवयं एस
तणादिनपुछइ॥ तहारंदिजिहाआवम॥ नजय॥ अनुकूलघरति॥ तिहाजे मंत्रवादिक॥ तघासिघ॥
नविभइ॥ वृणा॥१३॥ इसइ॥ आकलइ॥ कुलपरासहसाधु॥ सहइ॥ दि॥ बोहामणाजीव॥

सुछणासघरत्तणं॥ इ॥ जछउसिएत्रणउलासमविसमाइमुणीदियासए॥ घरगाअडवाविनेखाच
अथवा तिहासर्पना तिर्छव॥ मुनइकसं॥ दिवसंबंधी॥ उपसर्ग॥ त्रिजना॥ सहइ॥ रूपनकाटउप
जइ॥१४॥ संबधी॥ बधी॥ प्रकार॥ णिसयकरानघाइ॥

उवातछसरीसिवा सिया॥१४॥ तिरियामणुयायदिवगा॥ उवसग्गा तिविहादियासिया॥ लोमादीयं
सुनइघरइ॥ रहतउ॥ नवानइजीवतवएतलइ॥ पुजानउ॥ वाघक॥ नघाइ॥ सहता
महामुनी॥१५॥ मरणआगमोमरीसहसहइ॥ सहत्ता॥
नदरिस मुत्ता गारगतिमद्दणी॥१५॥ नाअनिकारवघडीविय॥ नावियसयणेछएसिया॥ अछछ

समवियाहिया ॥ तच्चाउदंतपासह ॥ अदक्खुकामाइलगंवइत्थ वणीएहिआहियं धारंतीइ
जगमाहि ॥ इमप्पच्छेन महाव्रत ॥ आचार्यकहियारात्रीनोजन ॥ जेनंगमाहि ॥ सुषसीलायानरा ॥ सवे
सकृतधरइसाधज ॥३
णियाइहं ॥ एवंपरमामदृया ॥ अकायाउसराइत्तायणा ॥ जइदमातणगानरा ॥ अर्षिव
सहित कामविषइ ॥ कायरदीन ॥ सरीघा घिछ एतलइजसंजमकिमसीदा ॥ नक्काणइ ॥ चालव्यइसागडोइ
मुरढीत ॥ समाधिमागे जिनकथितवीतरागनइकहिउ ॥४॥ विषमपाघा ॥ जंछि
नोकामदिमुछिया ॥ किंवणणसमंपगछिया ॥ नविजाणंतिसमाहिमाहितं ॥ वोहिणजदा
जमवाबइ ॥ अबलघाइ ॥ मूगादि ॥ घिजाइ ॥ तासतिहनइ ॥ मरणातइ ॥ कष्टात ॥ नाऽनसकइचालो ॥ नबलघइ ॥
व्रतेइ ॥ अबले ॥ करइमजमाहिरहइ ॥५
वुविछए अबलाहगं वेपचाइत ॥ सञ्चंतासाअपघामण नईवचए अबलविसीयंति
एवंइम ॥ कामनइअसक्त ॥ सीदाइ ॥ जाणइआज ॥ कालि ॥ छडइनोग ॥ पंडितनइदिघयननोगवी ॥ लाधघका ॥
नइसबध ॥ नइस.घ कामनइअजलाघरहित ॥ आणलाधसीषा
५ एवंकामेसणं विऊ अधसुणेयाहधसघवं ॥ कामी कामणं कामए लाघदोवि

सरीकहा ॥ तेनणसोमोकूदिघइ ॥ जेणइदीहा ॥ कामचत्तोगरोग ॥ अधनरनवस्तआनरण ॥ धरइ ॥ राजादि
जेणइदीहा ॥ सरिघ ॥ पदकहितोतरघकी आणेइ ॥ मोटापूरुष
समवियाहिया ॥ तच्चाउदंतपासह ॥ अदक्खुकामाइलगंवइत्थ वणीएहिआहियं धारंतीइ
जगमाहि ॥ इमप्पच्छेन महाव्रत ॥ आचार्यकहियारात्रीनोजन ॥ जेनंगमाहि ॥ सुषसीलायानरा ॥ सवे
सकृतधरइसाधज ॥३
णियाइहं ॥ एवंपरमामदृया ॥ अकायाउसराइत्तायणा ॥ जइदमातणगानरा ॥ अर्षिव
सहित कामविषइ ॥ कायरदीन ॥ सरीघा घिछ एतलइजसंजमकिमसीदा ॥ नक्काणइ ॥ चालव्यइसागडोइ
मुरढीत ॥ समाधिमागे जिनकथितवीतरागनइकहिउ ॥४॥ विषमपाघा ॥ जंछि
नोकामदिमुछिया ॥ किंवणणसमंपगछिया ॥ नविजाणंतिसमाहिमाहितं ॥ वोहिणजदा
जमवाबइ ॥ अबलघाइ ॥ मूगादि ॥ घिजाइ ॥ तासतिहनइ ॥ मरणातइ ॥ कष्टात ॥ नाऽनसकइचालो ॥ नबलघइ ॥
व्रतेइ ॥ अबले ॥ करइमजमाहिरहइ ॥५
वुविछए अबलाहगं वेपचाइत ॥ सञ्चंतासाअपघामण नईवचए अबलविसीयंति
एवंइम ॥ कामनइअसक्त ॥ सीदाइ ॥ जाणइआज ॥ कालि ॥ छडइनोग ॥ पंडितनइदिघयननोगवी ॥ लाधघका ॥
नइसबध ॥ नइस.घ कामनइअजलाघरहित ॥ आणलाधसीषा
५ एवंकामेसणं विऊ अधसुणेयाहधसघवं ॥ कामी कामणं कामए लाघदोवि

अलद्धकुद्धीहमाएछअसाधुतात्तवआछंदीअछंदासमअप्पगोअहियंचअसाहुसाधंतीसंघ
विलापकरइ ॥ अतिघणइ ॥ सीमा ॥ रइआइ ॥ देवइ ॥ तरुणपणं ॥ तघा ॥ १०० वरु ॥ मुषा ॥ ममावसइ
सीचइ ॥ मनइ ॥ देव ॥ अनित्य ॥ इंडउटइ ॥ सातिअवस्थमणे ॥ दि ॥ दिक्षावृक्षएकव
णतीपरदवतीवंछि ॥ इहजावियमवपासेहि ॥ तरुणएववासमयसमइहती ॥ इत्तवासंयवृक्षह
गृधएकेकनर ॥ काम ॥ जेनर ॥ संसार ॥ आरंभइ ॥ दिक्षवृक्षआछानाना ॥ एकातजीवतालूस
नगइछीकिमारहइ ॥ ८ ॥ श्री ॥ दइणहार ॥ णकार ॥ नास्यइरतापोलोक ॥ नरग
इ ॥
गिद्धनराकामसुमुछियाज ॥ जइदआरंभनिस्सिया ॥ आतदंडाएगतचूसगा ॥ गंतातपावालगए
घणाकालेलगानरगनाइरुक्खोगवइ ॥ उटइआइषइसंधइनहा ॥ तइछा ॥ अक्षानबोलापकरइ ॥ वर्त्तमानवि
कोईएकअक्षानकष्टनइघमाणकलम ॥ इमतीविकरइकल्लइ ॥ घषपणइ षयस्यइ
चिररायआसुरियंदिसंणीणयसंवयमाऊकीवियं ॥ तदवियबालजाणापगभती ॥ पुनपात्र
कामइ ॥ क्रणइदिछो ॥ परलोकनइ ॥ अदोअंधइमघसरीषा ॥ सिक्षनेमछातसदहइ ॥ सबोधने
सरवइनइकल्लइ ॥ अक्षानइपृनावरइणहार ॥
णकारियंकोदहुपरलोगमागत ॥ णअदक्खुवदरकुआहितं ॥ सद्दहंतअदक्खुदसणा ॥ दंडिक

अतिहिंसा हासनेत्र मोहनाइ ढाक्याछि॥ मोहनी॥ करीनइ॥ कर्मिइ दुखीछतत्र॥ मोहयामइ वलीवली॥ एहवावचननाबोलणदार अनेतकालसंसारमाहियरान्न मणकरइ॥एहवउजाणीवाछइ

सुनिरुवदेसणा॥ मादणिघेणकडणाकरुणा॥ ११॥ उरकीमादेउणाउणा॥ निहिंदघसिलाग
सलाघ॥ इमजानादिम वस्त्रादिपूजा॥ आत्मासमानजीवसर्व हित॥दिघइ॥ संजतासाधु॥१२॥ गृहस्त्रावासरहितइ वसतत्रनर॥ अनुकमइजीवनइ

प्रयणं॥ एवसदिएहिंपासत॥ अयउत्तपाणहिंसेजए॥१३॥गारंपिआवसनर॥ अघउव्वंपाणहिं
घषइ॥ समेन्नाव॥सर्वत्र॥ गृहीनाव्रति॥ दिवलोकइजाइतउजती नेउंसुकिहिंत्र॥ सांभलीनइनगवंतनी आज्ञा॥ संजमनइविषइ करइ॥

संजात॥ समतासघछसुव्रत॥ दिवाणंगछसुलागय॥ १३॥ सान्नगवापुसासणं॥ सच्चतळकार उद्यम॥ सघलइमूका॥ मळइरह॥ आहारजतानिर्दोषलइ॥उबं०घोडउ॥घोडउ॥ सव्व०सर्व॥हिय॥नयउपदेय॥रूयमा माधुकरीव्रतिइसुधनिर्दोषआहारलयइ॥ न यिजाणी॥संजमआश्रय॥धम्मं०धर्मीघी॥ तथ उवहाण० तपनइविषइबलेबे

धुवक्कमं॥ सच्चउविणीयमछरा॥ उछंनिरुविसुदमादरा॥ सच्चेसुओवहाणवं॥ धम्मठीउवहाणवी
युक्तिवंत॥ सुनयोगवंत॥ सदायतनकरइ॥ आपन्यायनेविषेइ॥ मोक्षनेअर्थी॥१५॥ लक्ष्मी॥पद्म॥सज्जन॥ तेंतिअज्ञानी॥सरणकरी॥मानइ॥

रिए॥ तिन्नि॥ तिन्नि॥सदा॥ जए॥आयपरमायतहित॥१५॥विरेएसवायनाइउ॥ तेबोलेसरणंतिमन्नइए

एहमाहरंग॥ तहनइ॥ परिजाणसर॥नघाइ॥१६॥ पूर्वकर्मनइउदयपहि॥दुखाइ॥अघवा॥सीसकुलांदिमरण इकुइघकइ॥ एवं०कर वइथलीबो विकलेंत्त बइ॥छ॥

तमसंतसुविरुद्धानाताणंसरणंतिविद्धसीद्धाअणागमितंमिवाउद्दाअदवाअकुमितनवंतिए
एकलानइजीवउ॥ आवइ॥ विधवासाणसरणधन॥ आवइ॥ इमजाणता॥दिन॥मानइ॥ सर्वजीवआपणइ॥ कर्मिएकिं॥ अ०अविरुद्ध॥दुखपीडा डायादिकजया॥

एगस्समतीयआगती॥ विउमतासरणंनमन्नइ॥१७॥सव्वेसयकम्मकप्पियाअवियत्तणउदेणप
घकाजीव॥ चउरेगतिसंसारमांहि॥ जत्याजगइ॥मरणइ॥पीडाघक॥१८॥आजिकिचादिअवसराजाणी॥नो०बो धिबीज नयाकरावीहा ता॥३॥

णाणा॥ दिउतिनयाउलासढा॥ डाइडामरणंदिनिदुता॥१८॥णामवरकणंवियाणिया॥णासु अप्रतिरूपकरइ॥अज्ञान॥ सुलेनघा॥ इमतीघकरे॥ जानादिमहितणानइ॥ उदयआवीमेपरिसहअहीयासइ॥ अघहनइसर्ववेदज्ञ॥आपणा कहेइउ॥ एव०एहवउजाणीजेधर्मि॥१९॥ नरावीघकरइमजेघकाभइ॥१९॥ घिघनइएहवचनआदिनो

लतंवाहिंवआहितं॥ एवंसदिएहिंपासए॥ आदडिणंइणामवासमगा॥१९॥अनविसुदराइ एवोपूर्वइ॥ अगमिइकुस्याइबइ॥ एमूवीकागुण॥कस्या॥ वाधिमानादिकनाजिअनुधर्मीसाधपणि इमजकहेइ॥ तावीघकर॥

निरुकुवी॥ आएसाविनवंतिसुव्रता॥ एयंइणंइआजात॥ कासवस्सअधम्मचारिणो॥२०॥

त्रिवधऽत्रावनऽअणहणता॥ आत्मानऽहितऽनियाणरहित॥ ऽमासिधक्रया॥अतीतऽअनंतऽकुऽछऽजीवेमऽ
निरुद्धअव
अणाहऽअनागति॥
ऽस्यऽअनेरा॥

तिविहेणविपाणमाहणा॥आयहिएअणियाणसंवुडा एवंसिद्धाअणंतासा॥संपइजअणागया
२१॥ ऽमात॥कसऽ॥केवलीज्ञानीऽ॥केवल॥दंसाऽ॥ब्रह्मन॥ज्ञानन्नदर्शनना॥ अरहंत॥सिद्धघतोभु
धरना॥ ज्ञानगचेत॥
वरा२१एवंसेउदाऊअुत्तरनाणी॥अणुत्तरदंसीअणुत्तरना णदंसणधरा॥अरहनाय जुत्तसंपु
विसालानगरीऽ॥कसऽ॥२२॥ हिवऽसंजमपालतापरीसहउदऽआवऽतिसहिवाऽहिणा॥ सूरं॥सूरएऽमानऽ॥आपणपुत्रनि
अधिकारित्रीजेअध्ययनप्रारंनिऽछऽछऽ॥ २॥दं०॥ कोऽकहलुऽमनुषऽआणायऽनऽसूरकरो
मानऽणऊगमाहिसूरऽसरीछऽसिद्ध
नहिका
नहिं॥

वसालीएविआहिए॥सिबमि॥२३॥वयालीसंइतियअध्ययनंसमत्त॥॥२॥॥सूरमनऽअणि
जावेताऽ॥अनेरोसूरानदेषऽ॥संग्रामनऽविषऽऽढवा॥ सेसयालराऽ॥वासुदिव
स्मना॥ जिमा॥आगलि॥
आया॥आव्या॥सूरसंग्रामनऽ
मस्तेता॥सं०संग्रा

जावजियेनपस्सतीऽजंतदढधम्माणं॥सिसुपालावमद्दारुं॥१॥पयायसूरारणसीसा॥से
ऽपनऽ माता॥पुत्र॥नऽलयऽ जिणेसंग्रामऽ॥नामऽ ऽमाशिषअपुष्ट॥तिनेद्धाचराऽ॥
गामंमिउवट्ठिते॥मायाउसेतयाणाऽजेएणंपरिविछंति॥२॥एवंसेदविउसिणिकायरियाऽ

अपंडित॥सूरयणुमानऽ॥वचमा ऽशोलेऽशोहलगरी संग्राम॥ ऽदाराऽ॥सीतमासा॥सीतफरसऽ॥दायसहित॥
ऽशब्दोमणऽ॥ नसेऽवेऽ॥३

सुरं०कोऽ
कहलुऽ॥

एकविहंसूरमन्नतिअप्पाणं॥जावलूहंनसवणऽ॥जेयादमंतमासंमि॥सीतेऊसतिसवायंतछ
तेहा॥कोयराऽसीदाऽ॥ ऊमऽहुऽराजहुनसीदाऽ॥हवऽऽसपरासहकऽछऽ॥आसणऽमणऽ तेहा०वितेवा
फुरमऽ॥उन्हालऽ॥सताघऽ ऽमणऽ॥जीषाऽकरी॥ तिवारऽ॥

संदाविसीयंतिरयहाणाविरयसिया॥धीराहिंकापुरिसेहिं॥विमाणसप्पिवासिए॥तछसंदावि
संदसा॥ मालुलनघोऽऽऽदकऽ॥ सर्वदातारनुदाधर्व॥एष ॥मागवऽ॥दोहिलऽ॥ हेअधम॥हेनोदोन्नागी॥
दाऽ॥ निरुद्धोऽजम॥५॥ णाकएमहाडुख॥

सीयंतिमछाअपत्तेदएऽहा॥५॥सदादत्तसणाउक्कं जायणाउप्पणाहिया॥कम्मताऽदगासंव
ऽमकबहऽ॥घणापामरा॥ऽहवा॥ज्ञाष्टआकोज्ञाना॥ ग्रमनेविषऽ॥नगरने॥ तेहाएककाकायरसीदाऽ॥जिमसंग्राम
लोक॥६॥ असहिता॥ असहित॥ विषऽ॥ चारित्रघकाक्षिष्टकुऽ॥ निविषऽ॥

इच्चेवंसुउदाऊजणा॥दएतसद्दअचायंता॥गामंसुणगासुवा॥तछसंदाविसीयंति॥संगामंमि
चीत्कारणऽरवऽ॥ एककेऽरचीनादिनूष्पाहता॥ ऊतरा॥ऽमऽ॥हऽकया॥ तिवारेऽसंदा॥सीदाऽ॥ अग्निफरसऽजिम
देषानगपामऽ॥ऽगोचरीयादिकऽऽनमतानऽ ऽदखलूरऽ॥ जावदासीदाऽ॥
वसीरुया॥७॥अणागमुक्खियनिरुकसुणीऽसंतिलूसए॥तछसंदाविसीयंति॥तेउछवपाछि

ए एकेकेइ कहन॥ बोलइ॥ साधनइ॥ देषइ॥ पकुताइ ता॥ असुभविपाकइ करी॥ एवा पडा॥ जइ मअजीवकाइ॥ जावइ ह इ॥ ए

णा॥ ८॥ अप्पागपडिन्ना संति॥ पडिपंथियमागता। पडियारगता एता उ एतएवउ विणा॥ए॥ अ

एकेकेइ वचन बोलइ॥ एनाया परपिंडना॥ उसीआला॥ मुडा॥ रवरुडा॥ जिंवि. मडलसहिता॥ असमाधनवकार
अधम॥ जिविणाछाअग॥ ण॥१०॥

प्पाग वइ उघंति॥ निगिणा पिंडोलगादसा। मुंडा कंडूविणहंगा॥ उद्धंथा असमाहिता॥ णएवं

इम साधना धेष॥ आयणपउ अजाण॥ अधकारगतिघो॥ नरगिजाइ॥ अरहाना मोहिकरी॥ दा
टाक्य॥११॥ फरमउ देस॥

विप्पडिवन्नगा अप्पणउअजाणया तमातोतमंजंति॥ मंदामादिणपउडा॥१॥ उछायदंस

मसकेइ॥ त्रणानाफरस॥ दाहउ॥ परलोकनघीइम॥ अनइप्रत्यक्ष॥ समरणतउ॥ संतायकेउनइ॥ वस्त्रचर्य
सहाअसकतउ॥ दासइछइ॥१२॥ लोचइकरी॥

मसणहि। तणफासमचाइया। नाम दिछपरालए॥ जेइपरमरणंसिया॥१३॥ संतत्ताकसलोएणं बंधन

घकीन्नगा॥ तिवारइ॥ मंदासीदाइ॥ जिमभव॥ पइछा॥ बंधन॥ आपणआत्माजेहकोक्षध्य मध्यातइकरी॥ सन्नावित
जालादेकइ॥१३॥ कोडोडइ॥ एहवउआरंचार॥ तसहित॥

एराइया। तउमंदाठिसीयंति॥ मछाविवाकयणा॥१४॥ आयडंडसमायारा। मिछा संविय्यणाया॥

इतणइदिसइघकइ॥३॥ नमेः कोइएककायरइ मचीतवइजाणियइ एहवउ॥ करअनुष्टानपरलो।
कोकिनाकाकरीपरलोकतउ॥ इनघीदाठउ॥ ७॥ जइमए एहवइ हुतेहिमरणतउतदासइवइजेउमरीसइ॥ ध॥

एकेकेइ अनाथदेइ॥ पजी॥ हेरुकही॥ चोरकही॥ तेसाधनइ॥ बाध॥
तेउतो॥ खचरतीनइ॥ मिखुनइ

दरिसप्पउसमावन्ना। कइउसंतिनारिया॥१५॥ अप्पागएलियंतंसि। थरीचारा तिसुवया॥ बंधंतिनि

अजानी॥ कठेर॥ वचनेनिर्नसइ॥ तिहाडंडइकरीमारइ॥ मुठिकरी॥ कनफलनालादि॥ गोत्रासंत्रारा॥ अजोना
कनइ॥ साध॥

रुयंबोला। कसायवयणादिया॥१६॥ तइदंडणसंवीत। सुहिणाअउफलणवानाणासरतीबाल

जमारीसाणी॥ स्त्री॥ पोहर॥ दइ॥ तेसंमूसिपरीसइ॥ कठोर॥ दोहिला अहियामता॥ जमहाछी॥ जमहाछी
समइ॥ समइ॥ १६॥ सुधरमसामलि जेखुप्रतिकहेइ॥ हेजाप्य॥ समरणकि॥ मरलक॥

इछीवा जइगामिणी। १७॥ एतत्ता कसिणाफासा। फरुसाउदियासया। दछीवासंसिवीत। कीवाअ

ध्येउपाठइ॥ नाजइकायर॥ प्रथमइदेइजइपूरतकूलपरीसहसहवाकहा॥ हवइ॥ एहअतरगपरीसह॥ चा
तेमजीनाजानइजाइ॥ घिरइ॥ बीजइतदिशाअनुकूलपरीसहसहवाकही॥ छइ॥ संगा॰ माता॥ पिता दिउपभरगकारी॥

वसागयागिहंसि वमि॥१८॥ तृतीयस्य प्रथमाद्देशकः समाप्तः॥ ३॥ १॥ अदइमसुअमासगा। निरुक

रिछीयानइछइ॥ जइ॰ झिणिश्रसपसथि॥ संजमतिवैवहा॥ १ एकेकेजानीनासाधनइ॥ मदनकरइ॥ परिवारा
लघुक॥ झाणिका॥ आवाश्यायरसादइ॥ नमसकइ॥ दिछीपामइ

णेजइउत्तरा। जइणगविसायंति॥ नयतिउविन्नए॥१॥ अप्पागनातमाहिस्स॥ रायंतिपरिवासिया

अहोउअम्हेबालपणेचक्की किंणिकारणइ॥हितात॥ पिताताहरउडोकरउहेतात॥बहिन॥लकडीएमत्यइ॥ताइ
पोसयउछइ॥ डाडइछइअम्हनइ२॥ ताहरा॥

णासणोतायउछासि।कस्सतातवयासिणा॥२॥पितातावरउतात॥ ससातखुडियाइमा।मायरा
स्नेहणउछइ सुदरकांइसुकइअम्हनइ३॥ मातानइपितानइ इम॥परलोकनासिध्ध॥ एहवोआचारछइएह
हेतात॥ बोध्धि॥ छेस्यइ केइ॥प्रणि॥

तसमातात॥सायरा किंवयासिणा३मायरं पियरंपासे।एवंलागानदिस्सति॥एवंखलुलोयंता
मातापितातइ॥ प्रधनामधुरावचन बोलताघका॥ पुत्रनंताहराहेतात॥ लकडीछइ॥ नाथीताहरानवयोचनाछइ॥

यालेजपालेतिमायरं॥४॥उत्तरामऊरुत्रावा॥ उत्तातताखुड्या॥तारियातनवातातामासा
सगकरइ॥५॥ आखिहेतात॥घरलिछइमकरिसडकाइकाम॥ एकवारछगुरुकामिलागइ
साक्षयदाताअम्हनइ॥ एवं॥ बीजावारदेघस्यइतनइदेघीकामदेस्यइ

अन्नंजणाताम।पाएहितायघरंजामा।मातेकम्मसद्धवय॥ बितियंपितायपासामानुतावं
दिघस्यइ॥ अम्हेआविइ॥ अंहोतातएकवारआवे॥ नहाएतलइकीधइ॥ इच्छारहि॥ खअनुष्टान॥ क्रणाछजनइ
आपणघरिजइएहि॥ वलीइसंजमेइहआवेनेइ॥ असंजतां॥ कइ॥नइ॥ तघक॥ करजो॥ वारसइ॥७॥
मयमिह।६॥गउतायउछणागछोणएतणं असमाणासिया। अकामगं परिक्कमा।कोतंवारेउम २०

डेकांइ॥देवउजतउहेतात॥ तंसवेंदीधउं॥ रुमादिजो॥ व्यापारा॥ तेदेस्यउतुझनइ॥ इणीपरि
इस्यइ॥ अघइ॥ अम्हे॥८॥ पुत्रादि॥

रिद्धंति।घडंकिंचिअणागंतात।तंपिसव्वंसमीकसं।दिरत्नवदारासीतंपिदाहामुतवयं।जइखंड
सोपवइ॥ दानत्तामाइ॥ मोल्यउघकउ॥नाति॥ तिवारपछा॥घरउइ॥९॥ डिमखडं॥अटवाइ॥
पजता॥ सगइ॥ इमतउ॥

णंखुसद्दंति।काजुणीयसतुदिया।विद्धाणायसगेहिं।तातगारंपदावइएजदासुकंवणंजायं
वेलिनइवेटइ॥ इमउतानइबोधइ॥नातोला।असमाधि॥१०॥ विसेषिवेक्षणोज्ञाना॥ दृष्टांतमइडु
बोधइ॥ कारी॥ सगइ॥ दिकइछात्रसे

मालुयापडिबंधइएवणंपडिबंधति।णातयाअसमाहिणा॥११॥विद्धाणातिसगहिं।दुखीवाविनव
वइनउग्रहइत॥ घाउकला।डिमनवघरुतगा गाढाइइ॥ इबालकधावगलानऊइ॥ गनामनुष्यनइ॥ तानापरइ॥ जतरा अस॥
मधे॥

यादं॥पिठतापरिसप्पंति।सयागातअरए॥१२॥एतसंगामसीसेणा।पतालाएवअतारिमा।कीवाजच्च
जिता॥कलेसाइ॥ ज्ञातानइ॥मुझीघका॥ तेज्ञातेगो॥सग॥ झीपरइज्ञाइछ॥ जेतणासवेसगतम तितरातइ॥
संगइ॥ १२॥ ज्ञानउ॥जीतो॥ णानइमरहरइ॥ ज्ञाकमबधनागमछाएवा॥ पसगइ

यकिंसंति॥नायसंगंहिंछिया॥१३॥तेचनिरुवरिन्नाय॥सव्वसंगामदासवा।जीवियंना

+ ना + य

इत्थीवसइस्स॥ सासलीनइ॥धर्म॥ अघडवइ॥आवईविष॥ माहावारदेवइ॥ तवना॥ डेहघावे
सजमनवाडइ॥ प्रधान॥ १३॥ यरुप॥ कहा॥ झाण॥ गलीकोइ

वक्कं सिक्खा। सा चा धम्म मणुत्तरं॥ १५॥ अहिमसंति आवहा। कासवणे पवइया बुधा जऊठाव
सादाइ॥ अज्ञानडिक्षा॥१४॥ राजाघरुकवाति॥ मत्री
मच्चाय आदा मत्रीश्वरराजधर्मतनइ॥ ब्रह्मणअघव॥ निमंत्रइ॥ भोगेकरा॥ कारनइ

सणंति। सीयं ति उबुदाजदिं। १६॥ रायाणो रायरिसणो अणुवयंतियं। निमंतियंतिभोगे
जतीनइ॥साधुनइआचार हस्तीइ॥ घोडइ॥रथइ॥ पालषी॥ पमुषइ॥उद्यान॥ भोगविएभोग
वर्तितानइ जावइ॥क्रीडा॥ हित॥ पुत्रपौत्रादिसंयुक्त

गहिं। निरुकुयंमाजऊजीविणं॥१७॥हेउसरदजाणहिं॥ विदारगमाणहिया उजभोमेइमे
अहोमहाऋषि॥ मूलगुणउत्तरगुनइ॥१६॥ वस्त्रइकापूरादिकइ योवनश्री॥पलितादिक॥ भोगविएम॥भोग
आत्तरणइ निमंत्रि॥ नइ॥

सावज्ज। मदिरिसीएजयासुते॥१६॥वत्थगंधमलंकारं। इत्थीउसयणाणिय। अंजाहिंइमा
अनु० इत्यादयषमानसाधु॥मूलगुणउत्तर॥ जत॥ तमे॥महाव्रतरूपानाम्॥ निरकुनइ॥नावइ॥ सुहेसुव्रती॥ग्रहा
तुत्तर॥१७॥ कीधेछ लडइ॥ स्त्रीवासेइ

इंलोगंसि आजासा परजया हुते॥१८॥जाउभामनियमाविन्ना॥ निरकुनावंनिसेवया॥ आगारमा २१

गहवासावासव॥ सघलगनियम॥ विचरतासंजमनइ॥ दोष॥हवइ॥किम्मउंछकहइ॥उछनइ॥इमकही
वतापणि॥ फलतिसजइ॥ निमंत्रइ॥

वस्संतस्स। साबासंविघएतदा॥१८॥धिरंइतिछमाणस्स॥ दासाहाणिऊतातवा॥ इत्थवणंनिमंतति
रनेमवइनाकणतिणइसुय चेरियाघाक॥साधनी॥सामा॥ असकेतु॥ असमर्थ॥ नेमइ॥ मंदा॥सीदाइ॥ गाडलानइन्ना
रनइपासियाडइतिम॥१९॥ रानइ रवेतासीमाघरए॥ रथनेमअनुज
नीवारणवएयर॥१७॥वाश्यानिरुकचरियाए॥ अचयंताऊवएतछमेदाविसीयंति॥उझाणसिव
याऊझिम॥२०॥असुकंतापानखोवा सजम॥ रुनेदतपरषीडइ॥ तिहमेद॥सीदाइ॥ऊमगाडलानइन्नारइपीडा॥ गर
उढबदलानारनाषीपडइतेम॥२२॥

उछला श्रु अचयंतावलूहणा उवहाणेणतविया तछमेदाविसीयंति॥उझाणसिऊरयवा २१
इम॥निमंत्रणाल॥ भोगनइविघइ॥ अत्यंतआसक्त॥सो॥ चोयणाअसहता॥ बाऊइछ
हानइ॥ मुढितगृह॥स्त्रीविघइ॥ गर्विघइ॥ त्यागाऊइछइ॥२२॥ देशऊऊ

एवनिमंतिणंलद्धु मुच्छियागिद्धइत्थिसु॥ आसावत्थाकामेहिं। वाइघतागयागिहंसिवंमि २३
मरीसहअनुकूलनहतांते॥ दिशानइविघइमरीसहवमाणइछ॥ ऊम॥संग्रामन॥ माठऊंछो॥बाहुमत॥ बलया
कत्या॥हवइतेहनइतघेछ॥इ॥हवइत्रीऊपरइछइ॥ इअवसरइ॥ वइ॥ मनुकू॥ऊंइ॥कारवेन
उवसग्गपरिन्नाएविहितिउत्तरासम्मत्ता॥ २॥ उदासंगामकालंमि पिहातानीकषइतो वलयंग

पर्वतकडणादि॥ इमघातवइकणजाणइ सङ्कर्तना॥मङ्कर्तमादि॥ अवशङ्कइ॥ ॥ आवंतिवा२

दहणंजमं॥काजाणइपराजयं॥१॥मुजइणंमुजवस्स॥मुजावादातिताहिसा॥पराजियाअवसणा
इएहा॥वाहकचीतवइ॥२॥ इसजीता॥एकेकी संयमनारखादिबाजावजीव असमधी॥जाणी॥आतमानइ॥ अनागतकालनो॥नुयदिषी॥सीषाइ

मा॥इतिनीरुउवदती॥२॥एवंउसमणाएग॥अबलेनघाणअपग॥अणागएनथेहिस॥अक्कि
जोतिकादि॥इ॥ ऊणजाणइकिसाधी॥पउवजं॥स्वीकृता॥पाणीग्रकापूल्याधी॥कलइ॥ अमहारइ॥नधीपूर्व नपोजितधन॥४

पंतिमंसुयं॥५॥काजाणइविउवाते॥इत्थीउदगाउवा॥नाइवंतापवक्कामा॥णाणाछिदिग
एसवजंअमकायरवीता वलायादिकछामेजोइतिम वलीआदिरवषमछाम॥चित्तनउअथिरपणइअमेनेनाव जिममाणिनइवि
प्रसादचारविषयामदनागा॥अल्पसत्वआनोवकानइनइ॥ जोइ॥ जीवसयमपलिस्यइकिनहोमलइजि षइअजाणा॥५॥

पियं॥६॥ अचेलएपडिलहंतिवलयपडिलहिणा॥विति गिछसमावन्ना॥पंचाणेचयकाो
जि०किसांग्राम॥अवसरि॥ज्ञ जाणीता॥सरमादिअधि तपूछि॥नजोइ॥ सएअधिकमरणछाद्धस्यइ परंनसराग सिनु॥
वियाप॥जेउसंगामकालंमि॥नागसूरउरंगमा॥णातप्पिइमुवदिंति॥किंपरमरणसिया॥६ २२

इमउछायासाधु॥ बाडीनइ॥घरता॥बंधन आरंभावगलउकरी॥ मोक्षरघी॥संजमपालइ॥
मोहादि॥

एवंसमुट्ठिएनिरुवासिद्धागारबंधणं॥आरंभतिरियंकडअत्तत्ताएपरिव्वए॥७॥अधात्मविषीदत
तिहनइएकेक॥तिहाकरइ॥ निरुकू॥साधुजीवनइ॥ जेएहवासाधुनानितिहा विगलात॥मोक्षा
करइ घी॥
धीकाभागत॥॥तमागपरिन्नासंति॥निरुकूयंमाऊजीवणं॥जेएवंपरिन्नासंति॥अंतएतसमा
गृहस्थतेहसराषाउमेहे॥ तिमगृहस्थमाहोमाहि॥सारसं आहारगिलाणनइ॥ आणीनइ॥दिवउ॥५॥ इम
गृहस्थतिमराषाउमेहउइत्यादि॥ मोनालकरइ॥तिमउमेहपणमाहि
करइ

दिए८॥सवइसमकप्पाऊ॥चेत्रमावसुमुछिता॥पिंडवातंगिलाणस्स॥जंसारददलाहयए
तेमेहे॥रागइवत्तेउवउ॥माहोमाहि॥वशावर्तरतीवउ॥ नपूकीधउरूडा संसानाउमेहे॥पारगामीनहा॥१०॥ अएहकवइ॥बोलइ
पुंघनइ॥संसाव॥ उइ॥

वंउसंसरागछा॥अन्नमन्नमणुव्वसा॥नछप्पहसन्नादा॥संसारस्सअपारगा॥१०॥अहातपरिन्नासे
साधुमोक्षमार्गनउजाणइ॥ एवंअहादरीनाकहीयउमेहे॥ विपक्षनासवणहारकुउवउ॥एकआषि॥ डमेहे॥जिमतु॥ग्रहीनइ
इमबोलीताकहा॥ अनाचारवलीसाधुनानिंदाकरइ॥११॥ नाजनइ॥

सुनिरुकूमारकविसारए॥एवंउसयनासंता॥उपरकंचवासवहं॥११॥उसनुंडहपए

तेमेएकसा धुअनातही कहिसाधु॥ आचारिवत वंतमानसाध॥ नश्परिनापइ ३॥२॥विगो तिगासाले॥ कहिमना॥ मता

जदाहि दुगमा
यिगा थि
मंतंजु
तादग।
एवंवि
न्नवणि
घासुदो
सोतह
कतोसि
या॥२१॥

सेवा॥ स्त्रीसंग॥ दोष॥ तहा॥ कहीधी हुइ॥ ४॥ इमंचकमेइघनंनि॥ पासत्थादीघकहेता॥ मंघाइट्ठी अनाचार॥ धृधइका सेवइ

विन्नवणिछीसु। दासातछकउसिया॥ १२॥ एवामागउपासत्था॥ मिछदिठी अणारिया॥ आघाव
नोगनइ॥ मोडगाडरीजम्म॥ बालेक॥ आगामीइकालिननोग वपाक॥ अदेषीता॥ वर्तमाननोग॥ गवेषता॥ निविइनोगवा पढीय
नइसेवइ॥ १३॥ +पइ॥ जातापकरइ

वन्नाकामहिंसयणाइवतरुणाए॥ १३॥ अणागयमपस्संति॥ पच्चुप्पन्नगवेसगा॥ तपछापरितप्पंति
गवगा॥ इतइ॥ आउपइ॥ जोवनइ॥ १४॥ जिणइमाहाकुलपइ॥ कालयोवन॥ आर्यक्षेत्र॥ सुकलादि॥ तपबइवृक्षवल्लइ॥ पछातापनकरइ॥ तधारुवाणंबंधणंधीमूकाणं॥

खीणआउंमिजाइणा॥ १४॥ जदिकालपरिकंतं॥ नपछापरितप्पए॥ तधीरा बंधणंमुका॥
जीव जानआकंदनक॥ एतावंतावजा॥ जम॥ नदी॥ वैतरणी॥ सर्वनदीमाहितारतादोहिली॥ इमलोकमाहि॥ अपारकुस्त
वितमरणंवुधइनिरहीवहीवतावइइ॥ एलोकमाहिसंवैतजनेनप्रसंधा॥ नारास्त्री॥ रइइ

नावकंखतिजीवियं॥ १५॥ जदानइवियरणी॥ पुरुत्तराइदुसमता॥ एवालोगसिनारीउ॥ उत्तरा
उत्तरइ॥ अविवेकी इमनजाणी जेहितवो॥ तिणपुरुषइ पूजाधन॥ तिणइपूजाश्र॥ एसगलइस्त्रीप्रसगादिअनुकूलप्रति
पुरुषनइ॥ १६॥ राजाइइ॥ तेकरइछेइविणुकेकडुयो॥ घाघाइपरीषाकीधी॥ कूलउपसर्गनेराकरानइ॥ तेहिंकमल

अमईमया॥ १६॥ जदिहिनारीणसंजोगा॥ पूयणापिट्ठतोकता॥ सव्वामयनिरावेक्खो॥ तहि नारीनासंगहेगडाइ॥ २५

जिमहाहकुपासबेतपंषघनइ॥ तपरीसहसनइ॥ समइ॥ इ॥ तरइजिम॥ जिणसंसारइ॥ जीवभुता॥ वजैइ॥ अदत्तादान
विषइपवइतिममाघसेवइ॥ संसारतरंसयइ॥ वितहारीया॥ पीडाइ॥ आपणोक
रूपनइविषइरहानाणवा॥ १७॥

यासुसमाहिए॥ १७॥ एतउग्घंतरिस्संति॥ समुद्दंववहारिणो॥ जलपाणविसन्नासि॥ किच्चेतिसयक
कर्मइ॥ १८॥ तिहुवीकुजीतो॥ जाणीहियोपा॥ महाव्रत॥ पालइ॥ पांचसमिति॥ विचरइ॥ मृषावादवर्जइ॥ अदत्तादान॥ दोसरइ॥ १९॥
दीक्षेस्यु॥ रतसाहत॥

मणा॥ १८॥ तेवनिरुवपरिन्नाय॥ मुव्वतसमितचरा॥ मुसावायंचवजिया॥ अदिन्नादाणंचवासि
उर्ध॥ अध्या॥ तरिछइ॥ जेतलाकेइ॥ त्रस॥ थावर॥ सर्वप्रकारइ॥ विरतिकरइ॥ उपजाम॥ मोक्षपद॥ कहइ॥ २०॥

रा॥ १९॥ उड्ढंमादितिरियंवा॥ जाकइजेसघावरा॥ सव्वत्थविरतिंकुज्जा॥ संतिनिव्वाणमाहियं॥ २०॥
पक्षधर्म॥ ग्रहनइ॥ मातावारइ॥ कहनं॥ करइ॥ साधु॥ गिलाणसाधुनइ॥ अगिलाणयएआत्मानइ॥ सेजाणी
हित॥ मानतइ॥ २१॥ नइ

इमंचधम्ममादाय॥ कासवेणपवेदितं॥ कुसानिरुगिजाणस्स॥ अगिलाएसमाहित॥ २१॥ संरवा
मनोहर॥ धर्म॥ समग्रधृषीटाकषाय उपसर्गअहियासानइ॥ जाहामुक्तिजोइतालगइसंजमपालइ॥
वीउपशमा॥

यएसजंधम्मं॥ दिहिमंपरिनिव्वुडे॥ उवसयदियासित्ता॥ आमारकाएपरिव्वएज्जासि॥ त्तिबेमि॥ २२

बाधइ॥ मृगजिम॥ पाव॥ मोक्खगणी॥ वहइ॥ नमूका॥ पासघी १०॥ स्त्रीवसिपडइ॥ साधु॥ सोचइ॥ जिमीनइ॥ रक्षीरतेजिमावि
नाधइ॥ गृहइवासिपडा॥ पवइ॥ षसहइत॥

बहुमिएव पासणे। फंदंतविसमुवइतीद॥१०॥ अहासपुत्त पतीपछा॥ नाबापायंचविसमि
एहवा विपाक॥ जाणीनइ॥ एकवासइ॥ नकल्पइ॥ जेनणीस्त्रीनइसम॥ विपाककडुअ॥ जिमवसिइ॥ घरजाइ॥
मुक्तिगमनयोग्यसाधुनइ॥११॥ तेनणी॥ परहरइ॥ स्त्रीनइ॥ काटइडइघी परछी॥ पसे

से। एवंविवगमायाए संवासानविकप्पएदविए॥११॥तहाउवएइछी॥ विसलिसंकंटगंल
एकलेघकने॥ गृहीनेघरजाइ॥ तेधर्मकहइ॥ नकुइरति॥ साधु॥१२॥ जिसोधुएस्त्रीनइसंबंद॥ नदनी ल्तपुणपासघा१३म
स्त्रीनइवशावर्त्त॥ तोघरने॥ कांतेहनइविषइ॥ मूरखतेइइ॥ मोक्षमोलीयो३॥

ब्रा॥ उपकुलाणिवसवत्ती॥ आघातिसासविणिग्गंथ॥१२॥ जेएयंभेअणुगिधा॥ अन्नयराजात
समनाथ॥ कुघाबहास्स॥ तपसीएण॥ तेनाणी॥ निविचरइ॥ संघतइ॥ स्त्रीवि स्त्रीना॥१६॥ कुणस्यइ॥ दीकरीसघातइ॥ वहु॥
एपसाहिलाजाणवा॥

कुसीलाणं॥ छुतवसिएविसंतिरहु॥ नाविदारसदणेइछी सु॥१३॥ अविधूयरादिछुद्दादि
धीवेमीता॥ अघावा॥ दासी॥ मोटीतघामहंता॥ नन्नासंगे॥ परचय॥ नकरइ॥ अणगार॥१३॥ गोत्रनइ॥ संबंधी

क्षतीदिअडवादासीदि॥ मदतीदिवाऊमारीदि॥ संघवासनऊघाअणगार॥१४॥ अदुणइणं २१

अघात॥देघा॥एकाति॥जइ॥ गृहस्त॥ माता॥कामइ॥ रायवइ॥पासवइ॥स्पंएह॥ तपसी॥ घामादश॥
नवमपुसंवेइ॥१६॥ देषा॥मध्यस्थ॥ ॥२

पु

वसुदीणावाअप्पियंदेइदुएगतादोंति॥ गिघमन्नाकामंदिं॥ रक्काणपासणेमणुस्सोसि॥१४॥समणंवि
तिहस्त्रीसंवेइआघलाघा॥ एकंकरइकुएकोध॥ अघवाकिणहइकाइणइकरी॥तोजन॥ काआणइइमजाणइइआत्ता
दिकंकरेतनदिघीनइ करइ॥ अनेकप्रकारिआहारइ॥साधुनइअहि॥ २इगघसदेवइछाइमखीमणत्तली॥ नघा॥

दइदासीणतहवितावएणकुपंति॥ अदुवाणायणंदिसछदि॥इछीदाससकिणादोंति॥१५॥
तिहस्त्रा॥संस्तवससा॥तिष्टजइइसुघ समाधिजोगेघा॥ साधु॥नकरइइ॥ आत्मनाहतस्त॥आसनादेपरचय॥
सहत्त॥ गेकरइ॥ क्लिमाघेघा॥घा॥ एहवइजाणा ॥१६॥

ऊवतिसंघवंतादि॥ पन्नगसमादिजोगदिं॥ तहासमणासासमेंति॥आतहिताएसन्निसघाउ
घणासनुष्यघर॥ डाडीनइ॥ मिश्रस्तावि॥मजता॥ मोक्षमार्गइ॥बोलइ॥वचन॥ लबधिदषइ॥कुसा
एकंक॥ लनइ॥१७

१६ बहवेगिहीश्रवदु॥ मिस्सीनावंएकुयणंग॥ धुवमयामवपवयेती॥ वायावारियंकुसी
१७॥ सुधनिरदोम॥ परषदामाहि॥ अनाचारकरइ॥ लोकमाहि॥ जाणइछइ॥ सर्वइ॥ एमायावाइ॥
बोलइ॥ एकांति॥ आपणेपडनेदोषणकहइ॥

लासो॥१८॥ उच्चरवतिपरिसाए॥ अहरहस्समिउक्कंकारंति॥ जाणंतियणंवहावयामाइछंमद
रणएकनइरायवइमोसवइछा
दरकरइछइतकिसइ॥ एहवावचननबोलइ॥२॥

मरणावा॥ आपणउ॥ दुष्टपणेन पूर्वभवकउ॥ सलाघइ॥ अकारजवलीमकरिस॥ इमघोइ
दाहरत्व॥ १८॥ कहइ॥ आपणपउं अज्ञानबाले॥ उगिलाणापा
मइवदी॥ १७॥
साहुनिय १८ मयंहु कउंघनवदति॥ आइहविएकहुतीबाले। वियाणवीरमाकासी॥ चाइछ
अनेकभोगा॥ स्वाधीनादिकइआत्मा॥ परुपइ॥ स्ववदानिखर॥ प्रज्ञाइकाबुधिवंतमु
नइखमइखलानइ॥ पो स्वीएतलइछुकुलोगा॥ जाणी॥ गत्यंजा॥ क्लानइ॥
तागिलाइसचुघा॥ १९॥ उसियाविइछिणासहु॥ उरिसाइछिंवदाखदत्ता॥ एनासमनिताव
एके॥ मोहनाकर्मनइउदयकरीवलाखान॥ हस्त॥ मागवेदपामइ॥ अथवा॥ कानाचर्म॥ मांस॥ अग्निनउतापव
क॥ इवसिजइकिंकरकसमजवइ॥ २०॥ कापइ॥ णइतपावइ॥
ग नारीणं वसंउवसंकमंति॥ २०॥ अविदछपादछदायअदवावहमंसनकासु॥ अविते
ताढा॥ताढा॥खार सिचइ॥ २१॥ अथवा॥कानाक॥वेदइ॥ गलानउवेद॥ सहइ॥
यसानिताणाइं। तछियखारसिंचणाइंच २१॥ अउकन्नणासंछेदं॥ कंवलदणेतितिक्खी
एहवइपापइ॥वडं॥ मरुमन॥कहइवला॥ जखानासेबघन तमइसासत्व॥ एकेकमोहनाआवइ॥
नना॥मइ॥ नहाकरवे॥ २२॥ वेफलकहवे॥ उगुरुसमापइ॥
इछपावेसतन्ना॥ नयछिंतिभणानकाहिंति २२॥ सुयमेयामवमागसिं। इछावदतिजछुय २६

एहवइ॥ माणनइ कायासी॥करीकोआपकरइ एतलइस्त्रीविदे अनेरउमनइ॥चीतइ॥ वचनइअन्याक
डाहउ॥मनुहु॥ धी॥ दुःखणामइतनु॥ मगस्त्रीमनकाकरइ॥ इणइघपंचइकरीसाधु २३अनेरउ
स्वइविरूघावानइकारणइस्त्री २३॥ नइधमधीनिष्टकरइ
तेऽद्धरातेकहइछे
रक्खेयं एवंपितावदित्ताणं॥अउवाकम्मणाअवकरंति॥२३॥अन्नेमणेणवितितिवायाअन्नेवकम्म
तिणिकारणिनमानइ॥ अतिहइमायावीइ॥ तरुणी॥जतीअति॥ अनकघकारआनरण
जती॥ स्त्रीजाणीनइ॥ २४ वोलइ॥ वस्त्र॥
णाअन्नं तम्हानसद्दहंतिनरुबजमायाउइछिउणट्ठा॥२४॥इवतीसमाणंलया॥विसलेकारवछगणि
प्रहरीनइ॥विरतहुंइ॥ नेरसा॥मनम॥धर्मा॥कहउमननइ॥हेनाय हुउआविकालेउ॥पखवइ॥ कुमइसात्माना॥
धीरापणलाहइ२५॥ करीआवीदुमकहि साहेनिणीलेउ
परिहिन्ना॥विरतावरिसंहेत्तूदं धम्ममाइकणंनयंतारा॥२५॥अउसावियापवाणं॥अद्दमंसिसाह
एणइपंचइकरीसाधु तहेवातकहइबइनमलाघनो॥ तमश्रीनासंसर्गघ्रा विधंस लाघनउ॥ घडउ॥अधो
नइ॥धर्मधीनिष्टकरइ॥ घडउअग्निसमोपइ॥गलीजइ॥ पाणी॥सातलेविहारीघाइ॥ आगूघापवेघकउ॥
सिणाउसमणाणं॥ जउजालजहाउवंजाइसंवासेविइविसीएघा॥२६॥जउजंलिजाइअवं
शाघा॥तापिइ॥विणासपामइ पमस्त्रीन्तोगइ॥साधु॥ १सगइ॥विणासमणामइ॥२७॥ करइ

मूढो॥आमुंतितणासमुवयंति॥एविछियादिक्खणगारा॥संवासेणासमुवयंति॥२७॥जंवं

अन्न॥पाणी॥आणीदइ॥ कपूरादि॥रजोहरण॥ नावी नेडी॥अवि॥ जिनवणी॥लोच॥ काजल॥नुं॥नाश॥ करावी॥नमस्कार॥इ॥न॥आन॥रण॥न॥

अ॰ अथवा प्रकारांतर दिसाडइ॥ एतलावार विषधरीना उपगरणक्ष्मा॥ नवइ॥ खना॥ उपगरणक॥ नाइ॥ १॥

दइ॥ अन्नंपाणमारोग्गदेइ॥ गंधं चरइ॥ हरणंच। कासवगंचामसमप्पइजाणादि॥ इ॥ अइअंजणिज्जे॥

घुघरावणी॥ वीणा॥ माहरइ॥ लोमडी॥ लोडना फुल॥ वसिली प्रमष॥ मगोली॥ पु॥ का॥ पुत्रली॥

कारं॥ ऊंछुयंचामएयंजादि॥ लोहंचलोहकुसमेव॥ वप्पुपलासियंवयुलियंच॥ ४॥ ऊंछ॥ अग्ग॥

इ॥ अगर तरगर॥ एसद्धपासमज्ज॥ मद्दित॥ तेल॥ सभूषइचोपडइ॥ वांसनोपेटा॥ आत्तरणादि॥ संजोगइना॥ तोवेरावा॥

वालामंत्र॥ वानणी॥ घातवा॥ ८॥ मजावे॥ निमातचे॥ तेवेलादिसणा॥

कंतगरवं॥ संपिहंसमंउसीरणं॥ तिन्नेमुदेनिंजाए॥ वप्पुफलाइंसन्निक्खणाए॥ ६॥ नंदाचुन्नगाइंवा॥

वत्र॥ पगरखा॥ आणी॥ शस्त्र॥ सालणासु॥ नालत्र॥ वस्त्र॥ रंगावि॥ ५॥ रुडाहाडला॥ रोधवास्तणी॥

रादि॥ अन्नोवाहणेवजाणादि॥ सज्जेवस्तूवल्लयाए॥ आणीलेवइछेरयावदिए॥ सुफणिवसामए॥

आमलासनासनानना॥ दूणसणाघइ॥ उवरुडइ॥ तिलक॥ करवा॥ आषिआखिआ॥ उद्धालइ॥ वाजणत्र॥ आणी॥

गाए॥ आमलगाइदगादणं॥ तिक्खाकरणिमंजणंसज्जगं॥ घिसुमविभूणयंजाणादि॥ २०॥ सेडा॥ २०

चोपी॥ काकसी॥ वीणा॥ नइकानि॥ कांकणी॥ नननी॥ आणी॥ आवी॥ सइ॥ देहिजोवा॥ दांतणसमाहरइ॥ समीपिआणि॥ २१॥

सगंचफणिदेवं॥ सीहिलिपासगंचआणादि॥ आदंसगंचयंयछादि॥ दंतपक्कालणंपावसादि॥ ११॥ प्रय

सोपारी॥ पान॥ सोइए॥ सूत्र॥ आणि॥ नोजनलघुनीतनाषवी॥ मूषइछ॥ उघल॥ पारमालवानइ॥ पात्र॥ १२॥ दिवसू

फलंतेबोलंचा॥ मूइमुत्तगंचआणादि॥ कासंचमायामहए॥ सुपुरकलगंचवारगालणए॥ १२॥ चंदो

नमतइ॥ कानणी॥ आदि॥ संचरइ॥ हेआयषमान॥ रवणावि॥ धुनुद्ध॥ पूत्रमावा॥ लघुबलद॥ श्रमण॥ नापूत्रणि॥ ३॥

नननआणिकरवडइ॥

नगंचकरगंचवत्थुयंचआभासवणादि॥ सरणायंचजायाए॥ गारदगंचसामाणराए॥ १३॥ घ

कुलडा॥ वाजित्रवेद्यष॥ साहन॥ दडा॥ कुमारनइ॥ क्रीडा॥ निमतइ॥ आणि॥ वर्षाकालआवइ॥ वर्षाकालबेठोगघरकरावि॥ वरसालइछइछाषइतनाता॥ आणि॥ १४

डिंगंचसडिंडिमयंच॥ कन्नगोलेकुमारसूयाए॥ वासंसमप्पियावत्रं॥ आवसहंचजाणेचं॥ १४

बारसतानिमतिमांचा॥ आणि॥ चोषडावर्षाश्चालवाकाजि॥ अथवापूत्रनोदोहलाकाजिआणि॥ मापणीआज्ञाकरावीदा

नवसूत्रनरा॥ आणि॥

आसंदियंचनखंवेत्रं॥ पाउत्रासंकमणए॥ अउपुत्तदोहलणए॥ आणापाएंतिदा

केवलज्ञानइ॥ अहोवइतेतइमइसमीपइपूछ्यइ॥ दीनदूरुखनइआश्रय॥पापफल अज्ञाना॥संसारइ॥असंजमा
तइउत्तरप्रतिकहिम॥दुःखनइका सहित॥एहवइनरकवास॥ धी॥
रणविषमस्थानकनरगावासइ॥ आगलिकहिसु॥२॥

वअसुपात्र॥एवदइसंकुडमहडुये॥आदीणियेडकडियेपुरुछा॥२॥जाकइबालाइहजीव
पाय॥कर्म॥करइ॥नयकारण॥ तिहूरपअतिबीहायणइ॥महा गाढउ॥तापजिहाइ॥एकविनरगिपडु
अंधकारइ॥ पडइ॥२
यही॥पावाइकम्माकरंतिरुद्दा॥तोघारुवंतिमिसंधयारे॥तिव्वंनितावनरए पडंति॥३॥
नित्यसदा॥उसप्राणीनइ॥घावरजीवनइ॥हणइ॥आपणेसुख॥जाणी॥जीवनइमदेणहारुइ॥निअदृतनो
गुहणहारे॥
निच्चंतासपाणिणाघायरया॥कंदिसंतीआयुक्खपुन्ने॥जंछूसएदाइअदेतहारीणसि
नकरइ॥सवावायंपपचखोणि॥ धृष्टपणइ॥जीवनइ॥अतिहठइ॥हणइ॥ सकषाइ॥नरग॥पामइ॥अज्ञानी॥
दिकाइ॥४॥
रुक्तीसयवियस्सकिवि॥४॥पागमियाणबकएतिघाता॥अनिबुत्तघातमुवंतिबाले
अरेओअधोतगत॥जाइ॥मरणसमइ॥ नाचइमस्तक॥पामइनरग॥५॥ मोगरादिकइ॥घउगादि॥नेदनइसु=ला॥आदिकरी
णिदाणिसंगछंतिअंतकाले॥अहासिरंकुडवइडभो॥५॥हणबिंदहनिंदणंदहेह ३२

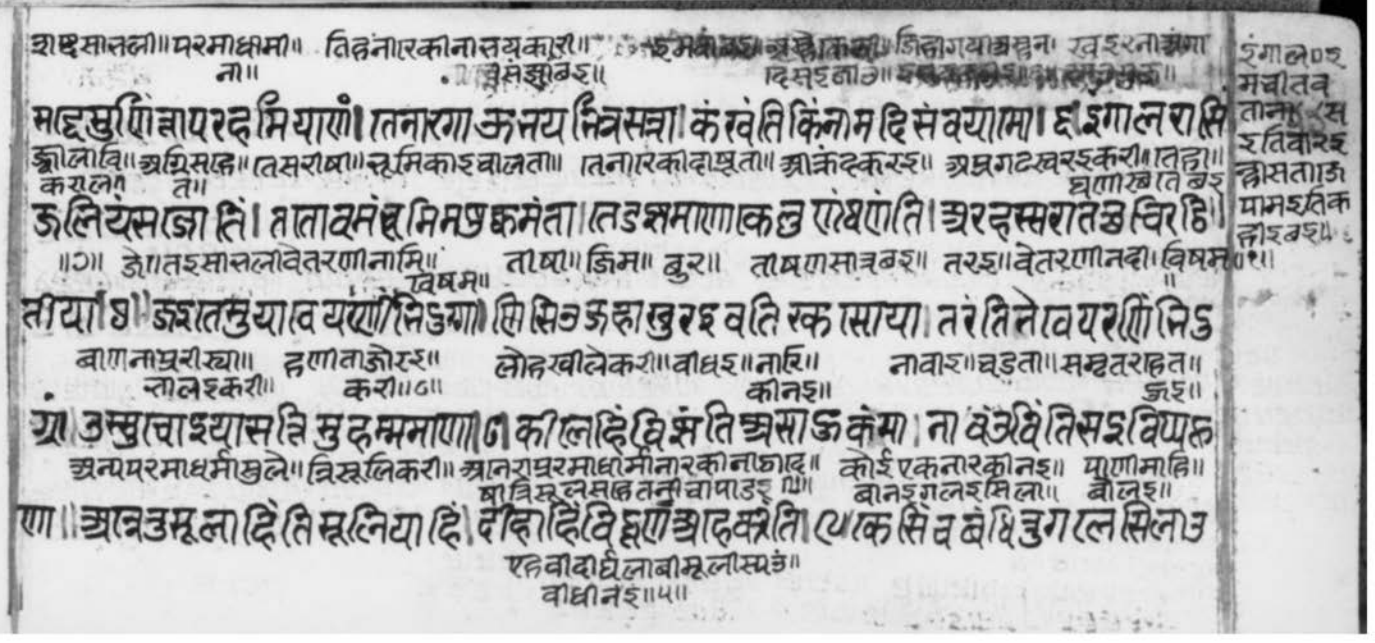

शइसालली॥मरमाक्षमा॥ तिहनारकानासयकारु॥ छेमवइ॥ जिलागयाछेदन॥ खइरनाअंगा
ना॥ छेसंझुवइ॥ दिसइनाइ॥ इंगालइ॥२
मद्दसुणिनापरदमियाणं॥तनारगाऊनयनिवसन्ना॥कंखंतिकिंनामहिसेवयामो॥इंगालरासि मचातव
झालावि॥अग्निसदृ॥तेसराधा॥सूमिकाइबालता॥ तनारकादाझता॥आक्रंदकरइ॥ अग्रगटखरइकरी॥तहा॥ तानाइस
करालए॥ ते॥ घणाखंतिबइ॥ हासताऊ
ऊलियंसजोतिं॥तताबसंहूमिपक्कमंता॥तडझमाणाकलुणंथणंति॥अरहस्सरातऊचिरहि॥ मामइतिक
॥७॥ ऊ॥तइसासलीवेतरणानामि॥ ताषा॥जिम॥ बुर॥ तापणासत्रबइ॥ तरइ॥वेतरणानदी॥विषम॥१॥
विषम॥
तायाविऊझतंसुयावयणंनिउगा॥सिसिऊझाखुरइवंतिकासाया॥तरंतिनेवयरणीनिउ
बाणनाप्ररीखा॥ हणताऊरइ॥ लोहखीलेकरी॥वीधइ॥नदि॥ नावाइ॥चडंता॥समुतरहंत॥
सालइकरी॥ करी॥८॥ कांइ॥ ऊइ॥
गाउत्तुचाश्यासंतिसुदुम्ममाणा॥नकीलदिविसंतिअसाऊकेमा॥नावेवेतिसइवियरु
अन्यपरमाधमीखले॥त्रिसूलिकरी॥ आनराप्ररमाधमीनारकानाछाद॥ कोईएकनारकानइ॥ पाणीमाहि॥
षाविसूलसहतनूचापाडइ॥९॥ बानइगलइमिला॥ बोलइ॥
णा॥अन्नउमूलादितिसूलियादिं॥दंदहोदिंविहणंतिएकसिवछेदिउगलसिलउ
एकवादीलाबामूलासइ॥
वीधानइ॥५॥

अगाध॥ कलेवय॥ वेलूकलेव॥ त्रासइ॥ आघापाइ॥ पच्चइसदइ॥ तइअने०तिहा
नामइ॥ मुक्कसराघा॥ नीसरि॥ घोलइ॥ चणानापरइ॥ आनरापरमाधामा
१०॥ मानारकीनइमास
पेसाहमपचइ॥ १॥

उदगंसि वालंतिमहाजयंसि। कलेवरं पावलुयंसुयारय। लोलंतिपयंतियत्तउअन्नि॥ १०॥
नहो जिहाछेयइ इहवइगाम॥ महाअत्त॥ अतिअंधकारउ तिहा डुक्कर॥ उंदरो नाचइ॥ सवदिसइ॥ घाघा॥
ऊकतीनइआकारा॥ तापनेरंगु॥ इकेणइनरगावासइ = मोटउ॥ तिरबु॥

अहरियनाममदादिता वीअंधतमंडपतरमंदता उहअदयंतिरियंदिसासुसमादि
जिहाआगि॥ सदाकाल॥ जिहाउटनइआ॥ अग्निनइआवृत्तइप्र॥ तिहापइसतोअ॥ बलइ॥ लुमाणा॥ सर्वकालि॥
इअइ॥ ११॥ करइमुफा॥ डाउ॥ आवतइपडाउ॥ झाननारकी॥ प्रझाजेतना॥ दयामणा॥ १२॥

उजुअगणीसियाउ॥ ११॥ जंसीउहाएजलणाइवाइ। अविझाएउडहइखुरपत्त। सयायक
एतवउ॥ घमिनउघाम॥ पापकमि॥ इतिहाढायउ॥ जिहाडारवनउ चिजदिसइ॥ अगनि॥ उजा॥ जिणिनरगावा
नउठाम॥ खत्तावइइ॥ १२॥ त्रानइ॥ सेपरिमाधामा॥

उणंउणाघम्मघणेगाढावणीयेअतिरिक्कधम्मे॥ १२॥ वत्तारिअगणीउसमारभित्ता। जहिंकूर
तापवइ॥ नारकीनइ॥ तिहा॥ रहेइ॥ अतिदुःखनोगवता॥ जिममाबलाजीवता॥ अग्निसमीपइदुषदुइ॥ जिहातांढ
वानेइखान॥ क॥

कम्मात्तिवेतिबाले॥ तत्तछिहंतिनितपमाणा॥ मज्झावजीवेउवजातिपत्ता॥ १३॥ सेतेछणा॥ ३३

संज्ञावना॥ महा तिनारकीनइ॥ जिहां॥ नरकपाल हाघाइ॥ पगइ॥ बोधनइ॥ काष्ठनापरइ॥ ताडइ॥
दुःखनउकारण॥ परमाधमीआवी॥

ममदादिसावेतनारयाजुअसाजकम्मा॥ दछदिपाएहियबेधिऊणं॥ फलगेवतछंतिं
ऊहाडीलेइनइ तेहनइमथेपचइ॥ दुर्गंधइकरीघडेरडाअंग॥ चूमागेनदी॥ समातेउपराछी॥ पचीता॥ तिनारिकी
हाघइ॥ १३॥ करीउपरानातेममाकरीनइपचइएणीपरइ॥

ऊदाइदछा॥ १४॥ रुहिरउणाबसुसमुसियंगा॥ निरुसमागएपरिवत्तयंता॥ पयतिणंतसं
तउफेंता॥ जीवतोजिमे॥ प्रबला॥ नोहनइकउहल॥ नकुइ॥ तिं०तिहा॥ नसकत्ताविं ३यमारहित॥ नोगव
इटलवलइ॥ २५॥

रइएकंत॥ सजीवेमाहवंअयाकवंता॥ १५॥ नावदतंतछमसीनवंति॥ एमिछतीतिवलिवे
इवेदना॥ तेकर्मनउविपाक॥ नोगव नारकीव्यापाघका आपणइकीधइ तिनरगावासितेनारकी॥ लोलवइ
दुःखतपइकरी॥ करा॥ ग्रीतमूर्छता॥

यणाए॥ तमाछुनावंअपुवदयंता॥ उकंतिउकीडहडुक्कडेणं॥ १६॥ तदिवंतलोलणसंपगा
अतिघणुउ॥ तातो॥ अग्निविषइ॥ जाइ॥ तिहा॥ सुख॥ नला॥ नइ॥ विषम॥ अतिताप॥ निरंतर॥ तमावइ॥ तयावइ
नास्ति नलि

ढागाढंसुतत्तंअगणिंवयंति॥ नतछमातेलत्तातीसिउय॥ अरहिंताजिनावेतहवीतविंति
सामलावकवित रणानदी॥ आदिनाडुखतेणइकरी॥ ४॥

मद्यपानजा वघातमृषा वादचारी आदि बाले० पर मोक्षगमी

१७ ।तत्तेमनाइ वहुसानली ।वधीता ।इ खरकरीकरुणपदमुंचतातइ ।इदिनकर्मनारिकन ।परमाक्षमी
मार्गिकम्म वीलहत्त्व इत्यादिति धर्मेक ।

१७ ।सचुइनगरवदवसद्दाडादवणीयाणिपयाणितच्छ ।इदिनकम्माणउदिनकम्मा
वलावलातेपूवेकृतसंन्नानइ ।प्राणईडानारिकना ।पापीपरामा तिडखडुकुडहस्यइ ।डरकरिवइ
डुषकरी१२० धमावेगलोकरी२ जघासत्य ।षडकरी

भुणाभुणातसरदेउदति ।१८ ।पाणद्विपावच्छिजयंति ।तेत्तपत्रकमिजहतद्दणं ।देइदि
पाडलोकमेचातारानइ ।सर्वदूवेकृतडुरकर्कमतेणइ तिनारकी ।हणीताविदलाइ ।तस्यउडुरुसडुपृस्य
जेरेखापडातेमासमनकृण ।करीयाडइ ।योयण५००उलापडइ ।विष्टादिकं ।मोहातापइ

तछासरयंतिबाला ।सव्वदिदेडिदिउराकादि ।१९ ।तदम्ममाणाहसरागपडंति ।उन्नउस्वसमहानि
करा ।तेनारकतिहा ।रहइ ।मोहइ ।कर्मनइ ।विक्कचितक ।सदाकालिसमस्त ।वला ।दाहनउला
अस्रचिआहारा ।दइ ।मजाव ।२० नक

तावे ।तत्तछिहतिउस्वनरकी ।उहंतिकम्मोवगयाकिमादि ।२१ ।सदाकसिणंपुणधम्मठाणंगा
कर्मेउदइठोयानारका ।सोकलि ।मालिघाता ।हणइसरा२ ।छिइकरीमस्तकइ ।तापवइइ
तीसडुख.खत्तावेइजाहा ।रोरा२इ

ढावणीयअतिडरकधम्मा ।अंतसुपरिवएविहुदद्दं ।वादणसीसंसतिंवयंति ।२१ ।। ३४

छिदइकापइतिपरमाक्षमीनाकी होछ ।छेदिइ ।छिन्नइकान मद्यमोसन्नयणमृषाबोलवइ ।तरका०तीरवी
नारकीना ।पुरइकरीनाकछदइ तेणापचातारानइ ।विहडप्रमाणनीनाहारकाढा

छेदंतिबालस्सखुरेणनक्कं ।उहविकत्तंडिप्पेविणिकस्सविहडिमंसं ।तिक्खाहिसू
सूलाभिन्नइ ।तिनारकालोहाजरता ।ताडना ।सूकापानवाइउडवाइवदकरीइतिम ।तनारकीअगउपांग
रातिएवद ।तरुआकदकरइनारक ।छेदा ।तेमतइ ।लोहा पिरु ।मांस

लादिंतिवयंतिरुइंतिमाणाल्लसंउडुव ।रातिदियतुघणतिवालो ।गलंतितेसोणियपूयमंसं
अग्निबालानइ ।चूणादिअंगनइविष ।इउत ।सुधमेखामिइंवूप्रतकहइ ।माहि ।सा ।लोहा ।पुरुइ ।नवीअगलनछा ।अदक
इदइ २३ ।इइक्रतइ ।आमछावासोणतनरक ।नखा ।पाकाउ ।उल्लनइगुणइकरी ।वइ

सेपरछाइयाखारपदिहियंगा ।२३ ।उइतुतालादितरुयाइबालागणीतपयुणपरणा ।कुनी
लाजन ।मोहइ ।अधिकमु ।उवाइदन ।लोहा ।सरु ।सरी ।
रुषप्रमाणघा ।इआकारि ।२४ ।

मदंतीदियाणरसीयासमूसितालादियरुयपुत्ता ।२४ ।पखिप्पतासुपययंतिबाले ।अदूसतेते
ताडवापडावृषाकृतइतामाणा वृषाइपा ।तातिरुउ ।माईताघाका ।गाढउ ।आत्माइ ।आत्माजा ।एह ।नवइवं
णीमाग ।इतिवारइ ।करुण ।आघका ।आवइ ।बालइ ।२५ ।करा ।नुष ।चातइ ।

केचुणारसंतेतघाइयातितउतेवतत्त ।पचिघमाणाहतरसंति ।२५ ।अप्पणिआपेइहवेचसा
प्रलापक२इ ।१५ ।

MEMORIAL

अस्सिं चलाए उड्ढा पस्सा ॥ सयया सा वा तद अन्नदा वा संसारमावन्न परंपरात बंधंति वेदेंति य ज
संसारइ पडिनाणकरत्त जेसिं माता पितादि ऋतीनइत्तो उच्चा अन्ने साधुअन्ने नीचकरगणधरादिकअन्ने एह
पुव्वुत्तवेदन विवरीय लाडनई आरत्तकरेता करावरा अनुमोदतारइ बालोकहसीलधम्मीणवो
इत्थियाणि धाजमायरंच पियरंच दिस्सा समणव्वतअगणिसमारंभिया अहाउसलाएअसी लधाम ॥
नेअगनिआदिअनेकजीवनई हणइ अग्निबाल जीवइच्छ जलवतउ अग्निनाअने तत्तएण मंडिता बेजमरइ
विणासइ आएणसुरक्खवनेणिय तउ वाआदनरइहणइ कजीवहणइ हिसावधारीतघा
चूतइंजदिसतियायसामत्त पउघालणाणिवातए घा णिबक्कआणिवायएघा तच्छाउमद्दाविसामत्त
धर्म नकरइपंडेत अगनिनउस पृघवातेपुणजीवा अप्पाणा घाणायजे पतंगादि तत्तामडइ
मारत्त६ जीवा
धम्मासपेडिएत्थगणिसमारत्तघा दपुढवीदिजीवाअऊविजीवा पाणाइसंपइसंपयंति
अग्नाबाणादिविवइ काइ तिअत्त एतलाजीवदहइ तिअग्निनउआरत्त हरीकाएएतलाजीवसव्ववनस
घणादएपाणी करइ।ग पतीजीव मनुष्याकरीलइ
संसयंयाकइसमुसियाय एतदद्दअगणिसमारत्तं ॥७॥ हरितातणिचूतातणिविलवगाणि
झालादिवनस्तीअंकुरा खंधा पत्तझाडवादि अवस्था मनुष्यजिमधइ ॥५॥

आहारादिएसरीरनंअहि घघकत्तुंया जेहणइ आत्मासुखमोही धृष्टपणइघणीजीवनउतेपुरुत्त मुलादि
आमीघइ घातक जाणिवउ कोमल

आहारइछायछादासियइ जेछिंदतीआयसुदंपउच्च पागसिपाणबऊणंतिवाती ॥८॥ जाति
कंदवसिंघाडासाघादिक बीजादि गहस्वतन्नलिगी ते नीचकरादिअकम्मअलोकमादि हरीकायजेहणइ
विणासे तेउजीवउ तेआत्मादेहकहइ अनीइ अधर्मी
चेचुद्दिवविणासयंत बीयाइअसंजयआयदंड अहाउसलाए अणघधम्म बीयाइजदिस
मोही घइआत्म गन्नीघकामरइबोलतअणालोल अनेरामनुष्य निघाचरा तरुण मध्यमवय गरढा
हितोधी ॥॥ तुइंती जमारइ
तिआयसाति एगइमिछंतिबुयाणा सरापरंपरेसिदाउमारा जावाणागमिसिमघरगाय
देहमुकइतिपापीआउनइहु बुझत्त अहोजीव डुलंभ मनुष्य नयदेषीनइघतिचुक्कइ अहोतइ
स्वकर्मनोतो ॥ पणइआणइ पणइविविकडुलंभ
वयंतिताआउरवएलीणा१० संबुझदाउंतवाणुसत्त दहुनयंबासेलेणंअनेतागंत
एकांता दुःखीजिमजुरा आपणइकमइकरी विनाश एकधम्मिस्वपुनाअवसरिसेमुघ लवणआहारतउ
कालोकतमसवलोक उत्तमादेहघपामइ ॥११॥ कहइ मोक्ष रहे
उकेऊरिएवलोए सकम्मणाविपरियासुवेंति ॥११॥ इदागसूढापवयंतिमासकं आदारसंपघणं इहधिष्टप
णइतं ॥

ज्ञानादि संपुरण॥ अनिलाषारहित॥ सर्वजीवनइ॥ अन्यनइ
अन्यतवासी॥ करणहार॥ ऋती॥ कषायनइयसमा॥ शरीरचारित्रीइसंजमनार॥
ववइकरी॥ निर्मलऊहनइ॥ आत्माइ॥२८॥ निर्वाहवाअरघइसाधआहेर
आहारकरइ॥

णा॥ अखिलअगिहे अणिएयचरी॥ अन्नयकरंतिकुत्रणाविनया॥२८॥ नारस्सजा तासुणिसुजएहा
वीइ॥ पूर्वकृतपापनइ॥ पृथ्वघरा॥ ॥ डुरकइकरस्यइ॥ संजमइज॥ संग्रामनइविषइ॥ जिमसूर
करवइ॥ ऋती॥ गृहइ॥ परनइज॥ दमइरतमा॥२९॥

कंखइपावस्सविवगनिरुद्ध॥ डुरकणदुहुभयमातिएहा॥ संगामसीसेपरदामहा॥२०॥ त्रिहु
परइ॥ खिदिहणीतइघरुकइ॥ आवइ॥ वीइ॥ पंडित षपावीनइ॥ कर्मवली॥ विक्रिमनानिनागा
पाटियानापरइतिभूइ॥ मरणनइ॥ संसारनपामइ॥ इनचालइ॥ गाढु

ममाणफलगावतहीसमागमकरंवतिअंतकस्स॥ णिहयकम्मेणपवंडुवइ॥ अकरकएवास
लइ॥ पाखलइअक्षयनिकशालनइ॥ इकइरतहनइ॥ अनइ॥ विप्रकारि॥ एबलवीरजकहइ॥
मुझानइबलवीरइदेषाइइढइ॥

गंडत्तिवमि॥ रणसूसीलपरिनासियसमंअधयंते॥ ॥ ॥ ॥उद्दावयंतयरकायं॥
तेबलवीरइ॥ कहाइढइ॥ किमइवीरनइवीरपणइ॥ किमएवीरअनइ॥ कर्मक्रियाअनुष्ठानरूप॥ सहजरूपकहइ॥
वलीवीर्य॥ कहीइ॥ एकवीरया॥ कहइ॥

वीरियंतिपडुच्चति॥ किंतुवीरस्सवीरत्तं॥ कदाचयंपडुच्चइ॥ कम्मामागपावदंति॥ अकम्मंवावि

लेसो॥ एवंअकसायंखिखितलं
वृती॥ बीजइ॥ अकरमएविखि॥ त्तंद॥ रक्षा॥ हीसइ॥ मनुष्य॥२॥ प्रमादनइ॥ कर्मि॥ क्षिन॥ अप्रमादनइ॥ क्षिप्रमादीघकइयं
तीघकरा॥ कहइ॥ मूकरइ॥ रतबोलवा
अकर्महइ॥ ईअनइअप्रमतघकइ
जेकसंक

ऽवया॥ एतहिंदिहिणहिंजइहिंसंतिमुहियाश॥ पमायंकम्ममाहंसु॥ अप्पमायंतहावरं॥ तस्सादस
कुमकरइतए इमबोलअनइपंडित॥ जीतकोदिएकजीव॥ घातकरइ॥ जीवनइ एकहिंसकनमत्रादि॥ प्राणभूतनइ
इतवीर्यकहीइ॥ वीर्यकलइ॥ इ॥ एकेंद्र॥ सीघनइ॥ णइ॥

उवावि॥ बालपंडियामवइ॥ इत्थंमगउसिकंता॥ अतिवायायपाणेणं॥ एगमंतअहिवंती॥ पाणाभूयवि
हणवानि सतइ॥ मायावइ॥ करीनइ कामभोग॥ सिवइ॥ जीवहणी॥ ढेढीकायी आत्माना॥ सुषनइ॥ कारणइ॥ मान
माया॥ इ॥

हंडिणा॥ माइणोकडुमायइ॥ कामत्तागसमारत्ता॥ इंतालुत्ताएगचित्ता॥ आयसायपुमाणिणा॥ पमाण
वचनइ कायाइ॥ आज्ञाकुघकरइ॥ इहलोकि॥ मरलोकि॥ विप्रकारि॥ असतती ॥ वैइ॥ करइ॥ हिंसकप्राणी॥
तंदुलमछनीपरिकर्मबोधता॥ पणि॥ जाणवा॥ वैइ॥ करइ॥ हिंसक॥ प्राणी

सायसमावव॥ कायसासवअतासो॥ आरंभपरंवावि॥ उद्दविंयअसंजया॥ हवराइऊहइवरी तववे
तिवइइ॥ पापनामना समीपगासी॥ दुखनाफरसघापमइवि संपरा॥ इकमि॥ बोधइतेकरण॥ आपणपइ॥ जेपाप
राचतेन॥ ऊछानरंन॥ ॥ पाक॥ कालइ॥ ७॥ करइते॥

रहिरहती॥ पावावगायआरंभा॥ डुरकफासायअतासा॥ ७॥ मपराइयंमियंछंति॥ अनउकडकरिणारग

रागद्वेषइकरी एहवा बताप्यकरइ॥ एहपूर्वोक्त॥कर्मि॥ बालनइ॥कह्यउ॥ हवइ॥अकर्मि॥वीर्य॥ पंडि
व्याकुलेअज्ञानी बकुलउ॥८॥बकुलउ॥८॥ बबंधनउकारण॥
बाल॥

दा सिसिया बाला पावंकुव्वंतिते बहुं ए एयेमकम्मविरियं बालाणं तुवदितं एत्तोअकम्मविरियं पंडि
तनउ॥सानलउ॥ए॥ मोक्षयोग्य॥कषाय॥ सर्वप्रकारि॥छेदीकषाय॥ क्षयकरइ॥पापकर्म॥ ग्राह्य॥कापइ॥समस्त
रहित॥

याणसुणइमं ए दविएबंधइमुक्क सबुउछिन्नबंधणे पणा त्रपात्रंकम्मं सेवंकुतित्थंतसे
१॥ ज्ञानादिमार्गतीर्थं॥ ग्रहीतइ॥धर्मीक्षननइ॥ वलीवलीअनंतत्तवग्रह तमतिअक्षुन्नपणउबांधइएवंहवइ॥ ज्ञाणं
किरनउकल्पउ॥ विषइउद्यमकरइ॥ णाखइछठमक्षमदुषनेअंश संसारस्वरूपज्ञाणीपंडितधर्मनइ नीक
वांसे॥ खपइछवइ॥१॥

१० नयाउयसुयरक्कायं उवादायेसमीक्ष उड्ढाहुतिरियंवास अमुछंतेदोतेहा ११ गाणी
देवलोकिंइसामानि मुकस्यइ॥तिसं॥ अनित्य॥एहस्यउसवासं॥गोत्रीबांधवादिउ इम॥नाणी॥पंडित
कादिचक्रवर्तिवासुदेव॥ दिह॥
दइअनेकस्थानकि॥

विविहगणाणि वइस्सेतिणसंसउ अणियत्तअयं वास मायएहिंइंदीहिय १२ एवमादायमक्खवी
आपणउममतत्नाव जिनधर्म॥आदरइ॥ सर्वधर्ममाहि॥जेधरी सुधधर्मनउपरिज्ञाततेकिम धर्मनउसारयो
प्रसन्नइ॥ प्रगटइछइ॥३॥ घाइतेकहइछइ॥ सरणाहिकइ॥ ज्येष्ठिवइ॥
अपणागिहिसुहरआरियंउवसंपेषे सद्धम्ममगादिय १३ ग्रंथ पण्ण सहसमइएसंघा धम्मसारंसुणेउषा
सह० आपणीमतइकरीतद्यागुरुसमीपइस्यानलीनइ
ज्ञानीनइ॥५

तमाया वनानबो लोहात त्तणाम्र मानाअ्र दिमाया एमरहर इ॥ ६॥

पंडितबीजेसपक्षसाध॥ निराकरइ॥पापकर्मि॥केणइप्रकारि॥विना आत्मज्ञानउ॥आपणा॥ क्षीणवेलाइम
ज्ञानीनइ॥ रणज्ञाणइत
हनइ॥विचालइ

समुवहिएअणगारा पुव्वकायपावए १४ जेकिंउवकमेंज्ञाए आउखमस्सअपणा तास्सवअंत
शास्त्र॥ सल्लषना॥करइ॥पंडित॥१५॥ क्रिम॥कालवइ॥स्वअंग॥आपणीदेषहविषइ॥ रसयापुआषद्या अधर्मक्षननइ
गीपवइ॥ लोचइ॥ खवक्करइ कहइ॥

रविणं सिरंवसित्तकट्ठपंडित १५ जदाऊम्मसअंगाइं सएदादसमादेरा एवंवाइमक्खवी अज्झप्पणा
संवरइएतावतामरण॥ गोमवइ॥मग॥ मन॥सर्वइछायमणि॥ यामभई॥परिणाम॥नाषानाजेदोष॥ते॥इमइममा
कालसल्लमनाइकरी॥ मापकर्मयनजेरइ२६॥ दहइ॥ तेमेवरइ॥ नलवइ॥

समादर १६ सादरदट्ठपादय। माणंसबिंदियाणियं पावकंउप्पाणमं नासादसंचतासुहयेम
गुरुसमीपइ॥एहवीरपूरुषनउबलवीर्यपराम मोक्षअर्थजेचारित्र॥ जिव्हाअधिकनइजीयवा सातारूपगवै॥ उपज्ञात
कर्मनोक्षणवज्रजेमग्रमइसेवहणइतेवीरनकहवोइ॥ रूडीपरिग्रहीनइ उद्यमकरइ॥वीरनउबलवीर्ये॥ रहित॥ कषाय

इदमगसिएयंवीरस्सवीरियंउआयतेसुआदाय एवंवीरस्सवीरियं सातागारवसिआए उवसं
गायेनइछायएवंकरी॥ प्राणीनश॥नहणइ॥ अदत्तसेलीमाउनलीइ॥ मायासहतमृषानबोलइ पहधर्मीअतीनउ॥२०
मायारहतसंजमअनुष्ठा परवंचवानमतिमृषाबोलइ॥
नेआचरइ॥

तमिदक्खरं १९ पाणेयसातिवाएणं आदिन्नेपियंमादिए सादियंसमुसंधया एसधम्मुसीमता २०
छांडइछइमानं॥ मायाज्ञानीनइ॥ रहित॥
अणुमाणंचमायंच। तपरिन्नायपंडिएपइतरवा॥अइमाणंमितइंदचपाछातर॥२०॥

वधु नाई॥ नाजी॥पुत्र॥जेस्वअंग जातपणे॥ नहुइत॥जीवनइजाए॥ सरण॥ नोवैगुवलाघका॥ स्वकर्मविपाक॥ धर्मरहितजीवनइ॥राघवासम धिकोनघी॥एहवइअलोचीनइ

तास्वसनाया॥नघाउन्नायउरसा॥नालेतंतवताणाय॥चुयंतस्सकम्माण॥५॥एयमहंसापदए॥पर
मोहनइजिसाधु॥ साधक॥ तिममता॥रहित॥ अनिमानरहत॥ आचरइ॥जती॥ मोक्ष॥ ३॥ बाडीनइ॥धन॥पुत्रनइ॥ सर्वस्वजन॥ सर्वपरिग्रह॥

मछाउगामियं॥निम्ममा॥निरहंकारा॥चरनिरुद्धइंणिदियं॥६॥विद्धा विद्वंवइत्तय॥णाइउयपरि
मुकीनइ॥जिहनइ॥व्रत॥मिथ्यात्व॥विरति॥घनादकषाय॥परिव॥दीक्षापालेश॥ तृण॥ वृक्ष॥ बाज॥ अंडालजीव॥पोतज घोडादि॥जरायुमनु ष्यादि॥
पारकिमि॥नावइ॥एहवइ॥ रूपपृथ्वीकायनिरमबंधकारण॥ पृ०पृथ्वी॥ अप॥अग्नि वीउ॥ नघा॥ ग॥ ल्र० विषयादि॥ अणावंतेउ॥

यहविद्धाणंतसोयं॥निरवित्तकोपरिहए॥७॥उदवीअउअगणिवाउतणफलकसबीयगा॥अंडयापोयजराउ
रसजु॥ससेदजुत्त॥ एह॥ ७ए॥ कायनइ॥तविद्धसजा॥मनइ॥कायाइ॥ वचनइ॥ आरंभान॥परिग्रह॥ करइ॥ नकरइ॥ मृषावाद॥ जदनिजी॥८॥

रससासयउज्झय॥जएतदिवदिकएदिनेविद्धंपरिजाणिया॥मणसाकायवक्कएं॥णारंभाणपरिग्रही॥९॥मुसावा
मैथुन॥ परिग्रह॥ अदत्तादान॥ एहस्व कर्म॥ कर्मबधना॥लोक तेपाडतातत्तुणा कारण॥ साजि॥ परहर इ॥१०॥ माया॥लोभ॥क्रोध॥अभिमान॥

येवदिदवउयदेवजाइया॥मछादाणाइलागमि॥तेविद्धपरिजाणिया॥१०॥पलिउंचणंवनयणंच॥

पलीमंथंनरनुकोइद्धा रारमसमाका रजेणइसंजमनइघातउ उयजइ॥२॥ ॐ फुल२४

व॰कूइ॰ निराकरिएधकर्मयहवनउ व॰क्रोध॥अभिमान॥ कारणलोकि पंडितनिनणपरिहरइ॥ धोवउवस्त्रादिनउ॥ रंगवउ॥तथारचवउ॥ रोमानखआदिनउ॥ समारवउ॥विभूषनेभूषा विचक्षणानिमनइरच लेवउ॥

घंडिंबुत्तसयणाणिय॥णादाणाइलागमि॥तंविद्धंपरिजाणिया॥११॥क्षयणेरयणंचव॥वडीकम्मविरयणं
वमन॥अंजन॥तं॰तिविधामनइपरिजाइसंजमनइघातजा॥ सुगंधइवस्त्रादि॥ नानदेउ॥ दतक्षालनदेतधोवण॥ परियहसचितादि॥ नइ॥परहइपंडितनणी॥परहरइ॥१२॥ तथामरवउ॥ हस्तिकर्मु॥

वमणंजणपलीमघं॥तंविद्धंपरिजाणिया॥१२॥गधमल्लसिणाणंचदंतपक्कालणंतदा॥परिग्रहिद्विकम
तेविद्धासजाणीपरिहरइ॥१३॥ उदेशाक॥वेचातउ॥उद्धानउ॥ मोमुखआणउ॥ पुतिकर्म॥अनेषणीकआहार॥तिविधामनी जाणीपरि

चतंविद्धंपरिजाणिया॥१४॥जदसियंकीयगडंपामिच्चंचदुहडं॥दयंअणमणिसंचतंविद्धंपरिजा
हरइ॥१४॥ उभधघृतादिपविउ॥नेत्रा जनन॥ रसलोलताजिणएकमर जीवघातउपजइतउ॥ विस्त्रादिनउ॥क्षीलवउ॥ तिनणपंडितपरिहरइ॥१५॥ असंजती स्यउ॥ नजाइ॥ णसुगंध॥

णिया॥१५॥आसूणिमकिरायंच॥गिद्धुवघायकम्मगं॥उक्कालणावकंकंचतंविद्धंपरिजाणिया॥१६॥संपसा
आलोघ॥असंजम॥ प्रसनजीवकुलवहार॥ चरणनूकरेवउ॥ जोतषादि॥निक्षेप॥ सझातउ॥आहार॥पंडितपरिहरइ॥१६॥ जूवटउतघा॥धीउबीवादि॥ नकरइ॥

रीकयकिरिए॥पसिणायतणाणिया॥सागरियंचपिंडंचतंविद्धंपरिजाणिया॥१७॥अघायइनसिखिघा
हिंसाकारीवचन॥नेबोलइ॥हस्तकर्मसील॥कलह॥तिविद्धंसा॥परिहरइ॥१७॥ पावडी॥तथापासडा॥नउ॥ जूवटाविद्धघ॥

वाहीइंवणावदे॥दुछकम्मेविवयेवा॥तंविद्धंपरिजाणिया॥१८॥पाणहाउयछत्तंचणालीयवा

चामरवाज॥ णादिक॥ परगृहस्थपासि॥करावइ॥ तेन्नणी पंडितपरिहरइ१७॥ वडानीत॥लघुनीत॥वनसपतिउपरे मात्रादिकाजे॥ नकरइ॥साधु॥ फासुपाणी इकरी॥व संपूर्ण० गृहस्थसमी पइक्कोलो दिनउपूर्वि वउ॥३॥

लवीयणं॥ परकिरियंअन्नमन्नंच तंविद्धंपरिजाणिया १८ उच्चारपासवणे हरिएसुणकारसुणी॥वियडे नसपती॥ परहीनकरइ॥कवारइ॥१९ गृहान्नैत्राजनइअन्नपाणी॥ नन्नोगवइकदाचि॥परवस्त्र॥निवस्त्रउतउ

णावा विसादइ॥साचाम इकयइवि॥१७॥ परमत्तअन्न पाणंव असुद्धंकयइवि॥ परवस्त्रअवलोवि॥ विद्यासपरिहरइ॥२०॥ आसन॥पल्लंकइ॥ नवइसवउ॥गृहांतरि॥ गृहस्थनइपूर्वकीडानउ॥ विद्यासपरिहरइ॥ तंविद्धंपरिजाणिया२०॥ आसंदीपल्लियंकय सिसिद्धंवगिदंतर॥ संउछणसरणंव॥ तंविद्धंपरिजाणिया २१॥ जसाकीर्त्ति॥मिलीघा जेराऊनी॥वंदता॥पूजानउ॥सवलोकमाहि॥जेविषयवाछा॥ तिविद्यासपरिहरइ॥२२॥ जेणइ या॥२१॥ जं सेकिंचिंसिल्लायेइ जायवेदणसमण॥ सद्दफासायेसिजेकामा तंविद्धंपरिजाणिया २२॥ जं करीजावइसाधु॥ अन्नपाणी॥निर्दोषग्रहे॥ तेअन्नपाणीनउदिवउ तिपंडितपरिहरइ॥२३॥ इणीपरइप्रसूत्र॥ बीजयेअन्योतर॥ ग्रहरहित॥

णिद्देसिद्दनिरुद्ध अन्नपाणंतहाविहं अपुप्पयाणमएसे तंविद्धंपरिजाणिया२३॥ एवंउदाहुतियं जेमहावीरजेमाहामुनी॥ अनंतज्ञाननउ॥धरणहार॥ तिणइएहवउधर्मअन्नपरिग्रहरूप॥ वडाबोलताखचइजो॥ नबोलइ॥यो अनंतदर्शननउधरणहार॥ ३पएह-स्यउ॥ २६॥ नबालवउ॥ निवउ यारामरम॥

घमसद्दावीरमहामुणी॥ अणातिनाणदंसीस॥धम्मदेसितंवसुत २४॥ नासमीणानन्नासिघाणपवकेघम

मायाप्रधानवचनवर्जइ॥ विमासीनइकार्जविद्योघइ बोलइ॥२५ तिधनानाघामहि॥ जेत्रीजी॥नाघा॥ बीजेबोल्याघकीपरतपइ॥ २६ जेहिंसाकी रातिनबो

मयोमातिहाणंविवज्जेघा अछविंतियवियागरे२५ पसत्थमातियानासा जंवदिसापुत्तपती डेउन्नेते लइ॥ एह॥आज्ञा॥तीव्रकरना॥२६ हिहलीपडुरवचन॥हिसरवी तघागोवइकरी॥नबोल वइ॥ डुभृवचनइत॥अमनोज्ञ॥

नेवन्नंएसाआणाणियंहिया २६ दाहालाभोयंसदीवायं गायावायंचाना वदे उमउमंतिअपुन्ने सबु सर्वप्रकारि नबोलइ॥२३॥ सुसीलइ॥सदासाधु॥जेजीव॥संसर्ग॥नकरइ॥ सकेजीजेजालनासगघासा ताजीलरूपासजेमनइहवइ तेन्नणीजाणीनइ घातजइ॥ परहरइ॥पंडित॥२८॥ विनाजेजा रादि॥

सोतेणवज्जए २२ अजुत्तीलमयानिरुद्धाणवसंसयिएणए छद्दवातसुवसमया पडिबुद्धेघाविजा २८॥अन्न विनाणजारादि॥ कारण॥ एग्रहीनइघरइनबइसइ॥ नकरइबैठबालकनी॥ क्रीडा॥ हडहडाटइ॥प्रमादे नहसइ॥ साधु॥२७॥ उतावलेउनघाइ॥उदेरी नोगवेघइ॥

छत्तरणंपरागल्लणासिक्खीयए गामऊमारियंकिंचे नातिवलंदासमुणी॥ २९॥ अछसुउत्तालेसुजय संजमविघइ॥ जतनकरतेवइइ॥ विहारकरइ॥प्रमाद॥ परीसहफरस्यउ॥परीसहसहइ३०॥ कोइहणइतउ॥नकरइ क्रोध॥ डुरवचनकोइकहइ॥तेहन इ॥पलाउनबोलइ॥

माणपरिन्नए वरियाए अप्पमाणा छगतछद्दियासए ३० हम्ममाणोनसंजले

समदृष्टिरहित॥ विसेइ॥ नवइ॥ बोलाइंत॥ इ॰ ज्ञानाका मत्तोग॥ नत्तोगवइ॥ विवेक॥ एसाधुनइं कल्लइ॥ ज्ञानदृष्टीनादिक सीखइ॥

षमश्चिमाइइइ॥ नवाइइ॥

छुमाणआदिया सिद्धा॥ सयकालादलंकारइ॥ लहुकामसपछेघा॥ विवागएसआदिए॥ आयरियाइंसि

रगुरुनासमीपइसद्धाइ३२॥ सांत्तलवा॥ वोलतइघकइ॥ सेवाकरइगुरुनीगीताघ्ना॥ सूराजेहूइसाचाबु तपसीनी॥ धीर्यवंत॥

धनागवेषक॥ जितिइंद्रीवंत

खेछा॥ बुधाणंअतिएसयाइइ॥ छुसूसमाणाउवसेघा॥ छुप्पेछुतेवसियावीराजइत्तपत्तसी॥ धितिमताजि

३३॥ गहस्थनइनाविज्ञानज्ञानतघा॥ संसारनइ॥ उत्तारनदेघइ॥ जेमाचामार्गनागवेषी मनुष्य॥ तिवार॥ रागादिबंधन रक्त॥ नवोढइ॥ असंजम॥३४॥ गरधन कुइ॥

इंदियाइइ गिद्धदीवमपासंता॥ इरिसादीणियनरा॥ तवीराइधणंमुक्का॥ नावकंखंतिजीवियं॥ घ॥ आ

राछ॥ फरसइ॥ आ॰ठकायनाआरंभ॥ एहसवेआदिघकीजेजे नइविघइ॥ घवइनही॥ कल्लातेसवे॥ कल्लइं नेघधकारणकल्लातेसवे घणुईनतेसरव॥३५॥ अभिमान॥ मायाआदि

गिहसइफासासु॥ आरंभसुअणिस्सिए॥ सव्वंतंसमयंतातं॥ जमलवियंवऊइइप॥ इतिमाणंवमायंचतंए

विसुद्धज्ञाणीपर गारवमुकइकधि मोक्ष॥ वोलइ॥ साधु॥ प्रविमि॥३६॥ पाछलोअधयेनिधसंकलइतत्तसमाधीनामा नीनतेइंकारणइहवइसमइसमाधीनामा

हरइ॥ पंडित॥ आदमसरवं॥ अधयन

रिन्नायपडिए॥ गारवाणियसव्वाणि॥ णिव्वाणंसंधएमुणी॥ तिबेमि॥ इइ धम्मासमत्तो॥ एवमज्झयणं॥ प्रोक्तोवइ॥ ४॥ इइ॥५॥

कहइज्ञा॥ केवलाइ॥ सरल॥ तेहइसमा॥ तेसमाध्य॥ इहलोकादि॥ इंता॥ जेसमाध्य॥ अणहणत॥

विचारनइ॥ धर्म॥ ध्य॥ सांत्तलइ॥ वोबारहत॥ सहत॥ ओलवनइ॥ प्रवर्तइ

आघेमईममसुवीयधम्मे॥ अंसूसमाहितमिणंसुणाह॥ अपडिन्नभिक्खुसमाहिपत्ते॥ अणियाणनूतमुप

संजमइ॥१॥ उच॥ नीचा॥ तिरिछ॥ दिसिविदि॥ त्रस॥ अनइ॥ जेजीवबइ॥ तेहसलेकरी॥ पगेकरी॥ सहमइ॥ अवहणइ॥

रिन्नएघा॥ उहंअहयंतिरियंदिसासु॥ तसायजेथावरजेयपाणा॥ हत्थेहिंपाएहियसंजमित्ता॥ अदिन्नम

अनेरानइ॥ नमहइ॥२ गातार्थजइ॥ वातरा॥ रहितसं॥ एषणासहित॥ आत्मासमान॥ आश्रवानकरइ॥

गानावचनइ॥ साध॥ विचरइ॥ दिसइसवेजीव॥ जीववानइआसरे॥

नसुयासागारियाइ॥ उयकातधम्मविति॥ गिछतिन्ना॥ लाढचरआयतुलपयासु॥ आयनकुघाइहजी

परिग्रह॥ नमेलइ॥ तपसा॥ सवेंइंद्रीसंवरानइ॥ नराअसि॥ प्रवर्तइजता॥ सर्वसंग॥ देषइ॥ जीव॥

साधु॥ इ॥ व्यापजइ॥ खादधा॥ रहतजइ

वियहीवयंनकुघासुतवसिनिरुइ॥ मइंदियनिनिबुडपयासु॥ वरमुणीसुघताविप्पमुक्क॥ पासदिपोए

उदकइ॥ वाआ॥ उखइकाराआर्य॥ कलेछ॥ एजीवनइ॥ अज्ञान॥ हणा॥ घणाउखु॥ प्रामइ॥ पोतइजइ

प्रघ॥ दि॥ सो इहताहेषातेराघइ॥ नइकमेआजीनइ॥ प्रापकमेतेजालगइ॥ ताहालग॥

यउढविसन्ना॥ अकेणअहपरितप्पमाणं॥ धणंतुवालेयपकुव्वमाणं॥ आवइतीकम्मसुपावएसु॥ अ

ज्ञानदास॥ बोधइ॥ यत्न॥ अनेराम॥ क्षिकरा॥ बोधइ॥ दयामणाआज्ञा॥ बोधइ॥ नवकारण॥ एकतत्त्वनीय॥ लोक
करवाघ॥ कर्म॥ चतरबली॥ कर्म॥ ५॥ वकाइ॥ कर्मपाप॥ अर्घ॥ प्रणामादिआदिन मान्दिव्या
करइ॥ एहवासमाधिकहो॥ करण

त्रिवायतानोरतिपावकर्म॥ निउद्यमाणउकरतिकर्म॥ ५॥ आदरणविस्नोक्षिकारतिपावे॥ मेतार्यगतसमाधि॥ जीतकल्प
ततत्त्वनाज्ञाण॥ रक्तजइ॥ जीवघातघ॥ आत्मासंज्ञ॥ सर्व॥ जीवनइ॥ समत्त॥ राग॥ द्वेष॥ कहि॥ दशास्त्र
समाधरवइ॥ विवेक॥ विरम॥ मइछापइ॥ ६॥ वइसराशादमइ॥ ३मए॥ समाण
माऊबुधसमाहारतविवग॥ पाणातिवातविरतिथिया॥ ६॥ सबंजगतसमयाणएहो॥ पियमपियंकस्स॥ संसा
नकरइ॥ कइएकचाहिआदरपाल॥ एकिकसमूझवस्त्र॥ आपणासेला॥ आधकर्मआहार॥ अतिघ
वाग्रसमघ॥ दीननापइछाइ॥ मात्रादिकइकरा॥ घाकरावतात॥ अतिहइबोहइलवा॥
सकारघा॥ उपायदीणाबडणोविमात्र॥ संइयणावेरसिलायकामी॥ ७॥ अहाकडंचपनिकोममीण॥ नियाचा
उसमइ॥ संसा॥ खानोआसक्त॥ हसतादि परिग्रहबली स्त्रीअर्थ आरंतइआस॥ कर्मसं॥ इहाघ॥ मरी
रइभूतउरइइ॥ अनेकचेष्टाविषइ॥ मेलतउ॥ ७॥ ऊबतउ॥ चय॥ करइ॥ नइ॥ पडइ
यधिसन्नामसी॥ इछीघुसत्तयबुद्धायबाजे॥ परिग्रहेचवएऊबमाणाअरतेसन्नोलियपेकारतिइच्छुतासंबुह
नरग॥वि॥ तेत्तणा॥ पडित॥ जाणाधर्म॥ संजमइविच॥ सवेसंगरा॥ परिग्रह॥ नकरइ॥ आजावकाआधे॥
महडयं॥ तट्ठाउमक्षधिसमिरकधम्मं॥ वरेघुणीसबउविप्पमुक्कएआयसकंघइदडीवियहीइ

सजनसंगआणकरतउ॥ बमासाबोलइ॥ आष्टादंचप्रकारनाविषय॥ नकरइकघावली॥ आधाकर्मी
संजमपालइ॥ राहत॥ बइहिसाकारी॥ १०॥ आहाराद॥
धमाणायपरिवएघा॥ सिमसासीयविणीयगिद्धं हिंसत्रियंवासकडंकरघा॥ १०॥ आहाकडंवानणि
नवाबइ॥ आधाकर्मानाजिमाणारनइ॥ ऊबलेवकरइ॥ झारारा॥ नेडे॥ बडानइशोक॥ कायानाबप्रेक्षा
कामएघा॥ सिकामयेतयएसंघवघा॥ राखालोचतउ॥ णकरतउ॥ ११॥
एकाकीपणउ॥ बोबइ॥ इमऊहोइसंगरहितपणउ॥ एएकबत्तावमो॥ सत्यएघा॥ कमावत॥ सत्यविघइ
साधु॥ एअलोकन झोइमदे॥ घा॥ ऊबइ॥ न॥ रक्तनेहऊसमधावत
एगेतामबंधनिपछएआ॥ एवंपामकोनसुसतिपासएसपंपामकोअभासवारवि॥ चकोहणासबरातत्तवसी
तपघा॥ खाविघइबरमेइ॥ १२॥ मिघनघका॥ परिग्रह॥ अणकरतउ॥ उच्च॥ नीच॥ विषय॥ संसयरहित॥ तेत्तिषु॥ समा
विघइरागादरहत॥ अघामू॥ १३॥
१२ इछीघुयाआरयामऊणाइ॥ परिग्रहंचवअऊबमाणा॥ उबाएघुविसतसुताई॥ संसयेनिकुसमाहियाइ
तेत्तावसाधपरमा॥ टालइ॥ नृणादिनाफरस॥ सात॥ उक्तफ॥ रेदसाद॥ सर्वसे॥ सुगंधदुगंध॥ परा
घनइजाणआरीरा॥ जुतो॥ फरस॥ रस॥ सहइपरीसह॥
१३ अरतिरतिवअचियनिकू॥ तणाइफासेतहसीयफासे॥ तेउवदंसेवेदियासएघा॥ दुनिवदुघियतितिक
सहखमइ॥ १४॥ वचनेगुप्ता मनेयुता तिनावसमाधंत॥ कलेश॥ अबनलेजापस्त्री॥ सेऊममूलइ॥ घरबावइनहा॥ नवरावइनहा॥
एघा॥ १४॥ पुत्तावइएयसमाहिपत्ता॥ तत्तसेसमाहु परिवएघा॥ गिहतघाएसविछावएघा॥ स

तेतिहनइडेवेदेसा॥ तोगवा॥ आहिंधसन॥ संघस्तोडना॥ धर्मना॥ असंतोषीआ॥ जिमठेकादिक॥ कंका॥ कलुल॥
नइडेकाधु॥ नइ॥ धसनेइ॥ दिगवेपइ॥ अजाण॥ समाधिया२६ मक्ष्री॥

तनुद्दिसायडंकडं॥ तासाहसाणेकियायंति॥ आरंभयत्ता असमाहिया२८ जहादंकायकंकायकुल
मयुका॥ काकमक्षी॥ माछलानागवेमणा॥ धानतेहनवे॥ मइलवे॥ इम॥ जतालिंगएके मिघाती॥ अनार्य
करइ॥ अघमी२७॥ के॥

लोमपुकासिद्दी॥ मंसासणेहियायंति॥ साणेतकलुसाधम्मं२९ एवंसमणाएगमिछदिठीअ
विषयना॥ एमणाकरइ॥ मंक्षाडाम॥ मइलवे॥ अघमी२८॥ सुधमार्ग॥ विराधानइ॥ संसारइएकेक॥ डुरा॥
चारी॥

णारियाविसएसणेहियायंति॥ कंकावकलुसाहमा३० सुद्धंमग्गंविराहित्ता॥ इहमागउदुग्गा
उन्मार्ग॥ मजूता॥ अनेकडुरव॥ तेअरिहंतनाअतत्व॥ जिम॥ ढिडसहित॥ जन्मोध॥ पुरुषा॥ संसारइसानइ॥ वीढइ
अष्टकर्म॥ मासइ॥ कृताघका॥२८॥

उम्मयगतउरकेघायमसंतितंतुहा३१ जहाअसाविणेनवं॥ जरंछमऊकुदिया॥ इछं
मारिमजंचवइकमुणा॥ विचालिपाणामाहि॥ दृष्टांना एकेक॥ मिछा॥ डिष्टा॥ अनार्य॥ आश्रवइ॥ पूरइ॥
एमजंनवइंपइनपकुचइ॥ इवु३२॥ ३०॥

तीपारमागंदुतरायविसीयंती ३२ एवंसमणाएगमिछदिठीअणारिया॥ सायंकसि ५५

आगामाइकालिघणा॥ एसवेलोकपरमिध॥ मंधग्रहहानइ॥ कामहा॥ तरइ॥ प्रवाहसंसार॥ आत्मावी॥
डुरवपामइ॥३१॥ वकायनेधवालकारा॥ वारइ॥ प्रवेदाअकहेइ॥ समुइनइ॥ आत्मानो॥
ऋतचारत्रलक्षणधर्मध इलइ॥

एमावन्ना॥ आगंतारमदुस्सयं॥ दुरंसंधम्मादाय॥ कासवेणपवेदितं॥ तरामायंमहाघोरं॥ अत्ता
सजमइ॥ संजमानुष्ठानकिमणालइतिकु॥ जेकेइजगमाहि॥ तेहनइआत्मकेरो॥ रक्षो॥ वीचरइइ३॥ चारित्रनइ॥
वरतुइ॥ होइछइ॥ खेमंसखवइयघका॥ जीवइ॥ आत्माछल्यदीनइ॥ रवो॥

एपरिवुडेनइ॥ दिवातगामधाम्मदि॥ जाकइजगईजगा॥ तसिंथुवमायाएघामेंकुवेपरिवुए॥ इतिअति
अतिक्रमइतेन॥ तिक्रोणीपरिहरइ॥ सर्वकषायपरहरीत॥ मोक्ष॥ साधइमानी३४॥ दशविधकृमादिसाधुनइधर्म
णामानकलाइमायाम॥ पडितइ॥ वधारइसमयज्ञाणीयालीनइइछपदे॥ स्यइ॥

माणेवमायेचतेपरिन्नायपंडित॥ सव्वामयेतिरिकिच्चाणिव्वाणंसंधएमुणी ३५ संधएसाहुधम्मंच
हिंसाधर्मी॥ उघापइ॥ तपनइविषकेबल॥ क्रोधमान॥ मायादिवर्जनइ॥३५॥ जेतीर्घकर॥ कृया॥ कृतीघकरइ॥
वारकोरवइ॥ जती॥ आगलइस्यइ

पावधम्मेतिरोकरे॥ उवट्ठाणवीरियेनिरुक्क॥ कोहंमाणंचवजए३६ जेयबुधाअतिकंता॥ जेयबुधाअ
आगलि॥ सवजीवनीदयाकरनइ॥ सनिसमसवजीवनइ॥ अघहवइ॥ व्रत॥ पडवजि॥ सपुराहसह॥ अनुकूल॥
करेस्यइ॥ अवलंबीनइछाम॥ आधारघरवो॥३३॥ प्रतिकूल॥ फरसेइ॥

णागया॥ संतीतंसिपतिठाणं॥ तताणंजगतीजहा३७ अहणंवयमावन्ने॥ फासाउच्चावयफु

नडोल२५ | वाइकरीजिमनडोल२६ | संवरवंत" प्रज्ञावंत | सूर" दातारनु दीधन२५ | ३५रो
परवत"३०" | पषाणीकककलू२६ | त"

एक्क णातसुविणिहणद्या। वाणवमद्दागिरी३३ संवुडसमदापत्त धीरदान्तमणेचार निबुड
पंडितमरण वाह२" एक" केवलीनउ" मतमाणि" | हषि मोक्षमार्ग ३४ तिपन्नवारि ३५ | क्रमार्ग गमाषुरुषनइ | चारि" प
पन्नवि"३०" | ज्ञाणपरहरइ२६ इणइअधिकारिअधिमंडाइ२७ | रतीथीनउ

कालमाकंखा। एवंकवलिणामयं त्रिविमि २८ माहुमायएकादशमध्ययनंसमाप्त ११ चत्रारि
चीर" प्रतीरथीनउ समुदाय" ज्ञवादी" जेह" कूड्या" | एकवादीकियावादि" एकअक्रियावादि" चीजावा | अनइचउथउ" वा
आगलिवरवाणीस्यइ" | बोलइ" | दीतविनयज्ञप्रक्षनबोलइ" | दी" अज्ञानज्ञवादि"

सामासरणाणिमाणि पावाउया जाइंउदावयंति किरियंअकिरियंविणयंतिइय त्रन्नाणमाहंसु
प्रक्षनबो | अज्ञनवादी" अमेजंपंडित२ | सबुद्धसबुद्धनाषाजीणावा" समय" | साचउधर्मकहवा असमधर्मति
लइ" | सुमानता"३०" | त्रोतअणतस्या" | समीपजेसानेलेदेविणातकु
अपणउतउ" | तेकहइमेरष"

वउठामव१। अन्नाणियाता कुसलावि संता असंपुणा विति मिछत्ति त्रीकावियाजे अकोवि
इमअणविम्मासइ" अज्ञानवादी" | जेमाचानज्ञअसत्य" एहवु" | असाधनइ" साधुकहता" | जेकइ" को
मूरष" ढोलइ" | चीतवेता" | कु

वाय ज्ञणपुवायातमुसंवयंति२ सवेअसवइतिवितयंता असाजसाजञिउदाहरंता। जामज

MEMORIAL

अन्ना"हवि
एहमानि"
सर्वप्रकारि
आवहबाल
इतअज्ञान
वादानउधम
वहरुवइ।

संखपसम
मुएहज्ञान
ढोविनयवा
दानइएहवा
वतामूढम
तामूढनइ
धर्मकहइ
१" तेवाए
जावबोधते
इमकहइ
इहीतछता
तअनागत
कोलवइ।
वृतमानस
नक्कालनन
ज्ञा क्रणए
कप्रमाण कि
सर्वमुदाहृ
हणीकव
इहात

अनयवादीनोकइ | बुद्धाघा"सीधवइ" विनयज | जेहनइविघइनघी" समागपरिहा | मेमोक्षादिपरमार्घअम्हा
अनेकप्रकारि" | संनावति"३ | नेते | चिनयवादानएह | वातनी मुक्तनम्मुक्तनघमोक्षकहइ धर्मवीनवादीयकस्य | २६ज" दहीनवइ

णत्थणइयाअणाग। पुणकिसावंविणइणामइ२ त्रन्नाणवसवाइतितउदाहरु त्रविहसनासतिअहए वेल
कर्मघकीसकाइतिन्नए" | क्रियाइनइकर्मबंधनहइ" अक्रियावादी"४" | तिवादीमिथ्यावकहइतहनाज्ञानीतिकरी" तिहउ
सनमानइ" अतीतअनागत | बलातहनात्तिकरइआपणेज्ञववचनइ" डेषाति

वीवसंकीएज्ञणागएदिएणकिरियमादंसुत्र किरियवादी४ समिस्सनावेसगिरागदीए समुस्सु
तिहउडेषाति पूजनइ" उत्तरदेवाअसमंजसअज्ञानएपुववादी" | उमारवइसइनयक्रतिहुपकुपादइ" | पक्षस्योपवनेनाएकपक्षीस्था | णता" मिथ्यादृष्टिपडिआवसानी
उत्तरदेवाअसमंजसअज्ञानएपुववादी" | एकमरवइएकपक्षमतीं पेकहइ" | पक्षीउन्नाए | लोतकीपरइपक्षमलइसोचइज

ईहातिअणापुवादीइमंडपरकरवमेगपक्क आदसुछनायतेणवकम्मोपतिएवमेरकेतिअपुसमा
अनेकप्रकारइक्रयाखरूपइ" | पहनइमतआदरानइ" घणा | नमइ" संसारमध्यअनादि | हविसर्वसून्य
आक्रियावादी" | मनुष्य" | तघाइ" | वादीनउमत

णाविहरुवाणिहत्रकिरियवाईजमायइत्रबदवमप्पसा नमेतिसेसारमाणवस्सदुणइखो
दिषाडइहइ" सूर्यन | चंद्रनीकलानवाधइ" नहाणिणमइ" | नदी" नतभवइनवाइ" वाइरउ | वांज्यअवेस्वपनदेवीननो
उगइअवतकुरइ | नमेइ" | परइसरवलोकमाहेइदीसइ

उणतिणाअत्तेमतिणवंदिमावहतिदायतीवा सलिलाणासेदंतिकवेतिवायावेजणियातक

जिम॥ऋनाधत्रसूष॥द्वावीस हितघकउपएण॥ अनेकरूपनदिघइ॥नपासइ ऽवृहीमाटइ॥ इमउतीक्रियार्नि॥अक्रि अक्रियावादीउता॥

सिणऊलाए ८ जदादिट्ठेविसइजातिणाविरूवइणापस्सतिदीणामत्त संतेपितएवमकिरिय पदार्घ॥नदघइ॥ बुधज्ञानलातघकाए॥ जोदेतिकगेघ॥ सुघपनसाखे॥ निमतप्रासध॥वेहेदेह॥ अष्टागति सा॥ऽऽक॥"साखे॥ लक्षण॥नूमकंपादि॥ मतइम

वाई किरियसमसंतिनिरुवपन्नाए सवछरसुविणलक्खणेव निमित्तादइणाइयंच अहगाम घणालोक॥नणीनइ॥लोकविषय॥जाणइ॥अतीत॥ एकेक॥निमत॥साचाघाइ॥होइ॥ किएकनिमतीयानइ अनागवस्तु॥ ज्ञानविपरीतएकेणं

यंबदवअदित्ता लागंसिजाएतिअणागताइं १० कएनिमित्ता तदियाएवेति कएसिचतेविपडिए पणिकइ॥ एहवीतएहवीविद्यालाज्ञाइ॥ मूषबुताकेमाहिकहइ॥अमुकवेलाएनाव ते किएवादा॥इमकहइ अणअमेअनेमय॥इयणि॥ जाणेइमइ॥इमबोलइ॥मूषअक्रियावादी॥बोलइ॥ जाणीनइ॥वेलोक॥ सूरय॥

तिणाणं तेविद्यावेअणदिघमणा जाणामालागंसिवयंतिमेदी ११ तएवमकंतिसमिच्चे निमतिमनिमनइ॥अमण॥ब्राह्मण॥ आप्पणेकीधइ॥नअन्यकृत॥ जिनमतिइमकहीज्ञान॥चारित्र॥ सुघ॥दुखादिक॥ विद्युघामाकं॥११॥

लागंतहातहसमणामाहणायसयंकडंनन्नकडंवदुक्कं आहसुविद्याचरणंपामोक्कं १२

जितीर्थिकनेवहामइ॥लोक॥ माहि॥एहवाज्ञानायकज्ञाता॥ माहि॥प्रकासइ॥हितकारी॥ जिणिजिणिप्रकारि॥स्वासवतनइ॥ जेसंसारइजीवघणा॥ वाइ॥लोकककहइ॥निमनिकेलोक॥ स्वरूप॥ हेनाथरक्षा॥रागद्वेषा

तंचरकालागंसिदणायगाउ मयापुमासंतिहितंपयाणं तहातहासायमाऊलाए ऊसीपयामाणवमंप ऊल॥१३ जा॥व्यंतरक्रियपरमाधमी॥ जिविमानिक॥जोतिकी॥वेद्याधराकादिक॥आग०वाउयंरवीयादि॥ बेइंद्रीयादि धर॥प्रथवीआदि॥ आगाचरइ॥पृथवीआदिआश्रयअनेक॥

गाढा १२ ऊरुकमायाऊमलाइयायऊडयसुरागंधवायकाया आगासगामायघडासियाऊ ऊणाघुणो वलीवली॥संसारइ जिणऽतीर्थंकरे॥गणधरादिककहइ॥ इऊणितेसरीघो॥एनवग्रहत॥ पुनावंमिक्रय॥विष नमइ॥स्वकर्म॥१७ समुऽतनइ॥अपारसयनूरमणइवे॥ तरताहोहिलइ॥ यपुप्रकार॥

विप्परियासुवेंति १४ जमाऊउदंसलिलेअपारगं जाणादिएसवगदणऽमारकं ऊसीविसन्नाविस स्त्रीविषइ॥ त्रसघावरविविधप्रकार॥लोकमाहि॥ सावद्यआरंभकरीकर्मबंधावइ॥ निरारंभइ॥कर्मबंधावइ॥ नहो॥सिद्धातो॥ सूरवीर॥

यंगणादिंऽहऽविलायंअपुसेचरंति १५ नकम्मणाकम्मखवंतिबालाअकम्मणाकम्मखवंतिधीरा पंडितजेऽइति॥परिग्रहघा॥ रहित॥ संतोषावंता॥नकरइपापकर्म॥१५॥ वीतरागअतीत॥अवर्तमान॥अना गतज्ञावी॥सुरवादि

वीरा समत्तमिणाजाननयाइतासा सातासिणाणोपकरंतिपावं १५ तितीयउपन्नमणागयाइं॥

जीवादिनांसर्वज्ञानावजाणइ॥ अनिराजीवनइएहवाज्ञानसंसार॥ एहवातीर्थंकरनिम्रइ॥
जथसत्यसत्य॥सुखादि॥ नएणिरिइएकुचाडुपम्मुन्यनिता॥ निम्रइ॥कमिक्रयकरइ॥ तिनकरइ॥हिंसा
तिहनइ॥कीधनकुइ॥ १६॥ नकरावइ॥

लोगस्सजाणंतिंतहागयाइं णेतासेअत्तिसिअणत्ताणाय बुधाजतअंतकडासवेति १६ तएणंसकुवंतिनकारसं
जीवनाहिंसाघकीकंकतइ॥ सदाईजतनवंत॥विनयवत परहरइएप्राय
कुइसूत्र॥ सुधमार्गनाजाणधा२॥परीसहना जायणहारएककुइ॥ १७॥ लघुतपणि॥ जीव॥

दृतादिसकाएउंउमाणा सयाजतविणावंतिंगा विन्नेधीरायहवंतिएग १७ उदहयपाणो
जेहस्त्रीआदि तेहआत्माउल्य॥देषइ॥ रूडापरिआलीचीनइ॥एलोकसर्वेअ तवनाजाणअप्रमत्तपणइ॥ जेको
तेहप्राणतन्न णि॥ सर्वलोकमाहिसर्वजीव॥ असासतउदुखनेडारआहिनादिअनंत॥ संजमपालइ॥१८॥ स्वआत्म
त्मादइ॥ रनइ॥

बुदयपाणा तेआयउयासतिसबलाए उवदतोलोगमिणमहंते बुधेणमत्तसुयरिखएधा १८ जेआ
परआत्मानइ॥ जाणनइ॥ आपनइउधरवासमर्घइ॥ तिघदीपसमान॥गुरुसमीपि जे॥प्रगटकरइ॥विचारा
अनेइपरनइपणि॥ सदोवसइसेवइ॥ नइ॥ धर्म॥

यजपरजयाविणाधा अलमणाणादितिअनेपरसे तेजाइहतेवसयावसधा जपाउकुधा अणुवातिधम्मं
१९॥ स्वआत्मासमग्र॥जेको॥जाणइ॥जेलोकस्व गतिधजेकोजाणइ॥मोक्षगति॥जेकोसत्यतीवस्तु॥जाणइ॥अन्नावता
रूपजाणइ॥ जिहोगयउनावइति॥ जाणइ॥

१९ अताणाजाजाणतिजायलोगं गईचजाजाणइणागईचजासासयंजाणअसासयंचजा ५८

जन्म॥मरण॥जनोत्य अहोगति॥कर्मविपाकइ॥जीव॥ जिआश्रवनेदधइ॥जाणइ॥ पापनेदधइजेजाणइ॥निर्ज
तिनरगादिक॥२०॥ पीडादिउपजइतहरावेजाणइ॥ संवरनेदधइ॥पुन्यनेदधइ॥ रानेदधइबंधनाप्रकारधइ॥
तिपणिजाणइ॥

तीमरणंचजाणा वकायंश्च आदाविसन्नाणविउट्टणंवजाआसवंजाणतिसंवरंच उक्कंचजाजाणतिनिछ
तिहकरुवा॥योग॥क्रियावादि॥सम्मक्त२१॥ स्पृवीणादि॥रूपस्त्रीयादि॥ गंधविषइ॥रसविषइ॥रागा जीवतव्य॥
विषइरागद्वषअणकरतउ॥ दिअणकरतउ॥

रंचसानासिमरिदइकिरियवादे २१ साहुसुत्रिसुअसधमाणा गीधसुरासमुअडसमाणा लाडीविते
मरणपणि॥नवाघइ॥ नउ॥रक्षपाल॥ रक्षित॥प्रविमि॥२२॥ समग्र॥ज्ञान
भोयाघकी॥

लासमणादिकेरवी आयाणसुनिवलयाविउक्कसिविमि २२ सामासमणंदसमंसेमंत २२ आदतहीयं
स्वरूप॥कहिस्यइ॥अनेकप्रकारज्ञानादिक॥ नलाप्रसूषनइधर्मी॥ग्रहीपास मोक्ष॥संसारभमण॥प्रगट॥१॥ अनेक
जीवनीकहेस्यइ॥ द्वारहनो॥दुष्टआचार॥ करिस्यइ॥प्रगट॥१॥

उपवयइस्सु नाणप्पकारंउरिससजातेसुयधम्मंअसताअत्ताणं संतिच्चसंतिकरिस्सामिपाउं २३ अ
प्रकारज्ञानादिवसु॥ तीर्थंकरादिसमीपइ॥धर्म॥ ज्ञानादिसमाध्य॥कहिनोकु॥ गुरुनइ॥कहिन॥बोलइ॥२॥
रातिं॥जेआनिन्हवादि॥ यामाइधर्म॥ असेवंता॥

दायारंसमुहिएहिं तहागएहिंपडिनमधम्मं समादिमाधातमाजासएंता सक्खंखमंधम्मसंवयंति २

साधु॥ अंतप्रेक्षा
द्वारनुल्लेखद्वार॥ उगर्ववंतऊरत॥सलाघाउ आउवकानउ संजमखरुम॥ वलीवलीसंसारमाहि॥
वाद॥ जाण॥ अजाण॥ वनाइ॥मामइ
निरुकुछउहूहजीवा॥ उगारवंतोतिसालगगामी॥ अजीवमयेउ॥अबुझमाणा॥पुणापुणाविपरियास
॥१२॥ उत्तमाधाउजाणा॥ऊता॥ प्रियनउबालणा॥ च्यारिबुधिन॥ पडित॥ प्रस्तावनाइ॥तावितासत्तम॥
द्वार॥ उक्राण॥ नउजाणा॥
वंति॥१२॥ जनासवेनिरुकुसुमाहुवादी॥पडिहाणवादाइविसारतय॥ आगाढपसंसुविनाविय्पा॥
अनेरालोकनइ॥ प्रज्ञाइ॥ १३॥ इमकहवारनहासुमा ॥ जिप्रज्ञावंतऊता॥गर्वक॥ अथवा॥उत्तमदइ॥
परासवइ॥ धवंत॥ २इ॥
अन्नेजणंपन्नमायरिवेधा॥१३॥एवेणसादाइममादिपान्न॥ उपन्नवंनिरुकुविउकसद्धा॥अहयविहोलान्न
मन्नजइ॥ अनेराजननइ॥नि॥मुर्षबुधिवंत ॥१४॥ प्रज्ञा॥मद॥तपमद॥ नमाडइ॥ गोत्रमद॥ ऊता॥
दइखवेसइ॥
मयावलिप्पि॥ अन्नेणंखिंसतिबालपान्न॥१४॥पन्नामयंचवतावामूयंच॥ णोन्नाएणायमत्थंचनिरुक
धननउमद॥ कहइ॥ तिमंडित॥ उत्तम॥जीवजाणवइ॥१५॥ एमूवोक्त॥ मद॥ परकरइ॥ छोडि॥ नवसेवइ॥
आजीवगोत्तवयउअमाऊ॥सएंडिएउत्तमापायत्तोस॥१५॥एतादइमयाइविगिंचधीरा॥णयाणिसेवं ६०

निःचल॥ तेसर्वगोत्रादिकडिम॥ महाऋषि॥ ऊहोनामगोत्रादिकर्मको ऊतीअसरीरसंसर॥ जाणधर्मनउ॥ गामइ
धर्म॥ दरकतकुर॥ ईनघ्नाएतावतामोक्षजोइइत्थ क्षय॥ कारयकृत॥ नगरइ॥
तिसुधीरधम्मी॥तसवणाउवायामदंसी॥उत्तरागाउवगतिंउवेति॥१६॥निरुकुसुयक्खतदृढधम्मागामे
प्रवेशकारा॥ तेएणाक॥जाणइ॥अनेम॥ अत्त॥मानविसइ॥अयंच ऊतानकदाविक्षेतघातआहारा
णाकेणाजाइ॥ ऊतउ॥१७॥ दतघातअज्ञानादकइकरासंजमवसइकर
णगरेचउपुण्णविस्सा॥सएसणंजाणमणासणंच॥अन्नस्सपाणस्सअणाप्पिगेइ॥१७॥अरतिरतिंचअभिभूय
तेउमऊतेउसऊमविस॥ घणालोमादि॥ रइरातउमऊइ॥ तिघाएकलउएकाकी निरवद्यतपा॥ बोलइ॥
ति॥ एकलाजावनइ॥गतिआगतिवइ॥ आपणा॥
निरुलूहेजाणवातदएगचारी॥एगंतमाणाविय्गारछा॥एगस्सजंतागयागतीय॥१८॥संयंसमिक्खा
अथवा॥संत्तला॥ नइ॥ कहइ॥ धर्म॥ऊतकारा॥ जेपदार्थसुकवायोग्यमछाद्यादिऊग॥ नसेवइ॥जेधीरा॥धर्माऊइ॥
जावनइ॥ माहिनदनी॥कहइ॥तेऊयनयाणानाघ॥
योगऊत॥
अउवाविसाछानासछधम्मंदितयेपयाणं॥उगरदियासणियाणपउगा॥एतानिसंवेतिसुधीरधम्मा
१७॥ कोईएकामछावानउ॥आत्मा॥ कापइ॥पऊजइ॥असदहणा॥ अऊघानउकालघणाघा॥ आगिलानउ॥
य ज्ञानाविनाजेधर्मकहइते॥ घातअल्पकइ॥
१९॥ एकसिवितकाएअऊसन्नावं॥खुइंपिगच्छेअसमाहिकाणं॥अभसकालेइयरवघाए॥तहाणमाणेय

जीवविघइ।समइय॥ तेआचार्ड्कहत॥ तिमूढगुरुनत्र॥ ॥ऊऊया॥हि समग्गजाण॥एसन्नाय॥कैसंघ॥
राणमिवविइतह॥ ७७तत्र॥ मुक्तिगमनयोग्य॥ वचनकानिधरतत्र॥ यइराघइ कीवलीनासान्नाघी॥समाधा१५
समाधि॥ साधुनत्र॥आचार॥

समियपयत्थु॥ आइरकमाणोदवियस्सविरुद्धे॥ तेसायकारीउदेयवास॥ संखाइमोक्खवलियसमाहि१६
पुरुजलवामिवसितरुचारुवियइ॥ विवक्षइमनादिकइ॥ ढकायनरहोमाल॥ जोइमकहइत॥ नकरश्वलाक-
तिक्षाश्रुतसोनत्यु॥सान्तलीनइ॥सो॥घाइ॥एमोक्षमार्गजाणनइ॥खमइरहता॥ जोइमकहइत॥ नकरश्वलाक-
साधी नदी साधुनइरहतइ॥ ज्ञातज्ञानसकेक॥ मनवचकायकरइ॥कहइ॥ कइगा॥सवैज्ञावातराग॥ दाखि॥

अस्सिंसुहिंधीतिविद्दाणायी॥एसुयासतिनिरादमाऊ॥तएवमरकंतितिजोगदंसा॥सचुद्धामंसंतिए
प्रमादनत्र॥ सांतलानइ॥तेगुरुऊ॥ऊता॥मो॥ बुधिवंतऊइ॥सान्तलणहारनइ॥ मोक्षार्घी॥सेदतपवंत॥संऊम॥
सग॥१६॥ लवासासाधु॥ क्षमागुण॥ कहवाविघइ॥समर्घेअर्घति॥ ॥१२॥ यामा॥

मायसंगा१७॥निमम्मसन्निरुसमीदियहं॥पडिन्नासवेदातिविसारए॥आयाणअट्ठावादाणमाणे
आहार॥निर्दोषकरा॥अव॥
सोनयामइमोक्ष॥१७॥ समग्गजाणनइ॥ धम्॥पसरुपइ॥ एहवातत्रन॥कर्मक्षयकर॥ तेतत्रज्ञानमार
ताऊइ॥ गमाऊइ॥

उवधुहणाअवितिमारकं॥१८॥संखाएधम्मंवियागरेति॥बुधाऊतंअंतकरानवंति॥तएरमादोषु
मूकावइकरा॥पुर्वापरश्री॥पुन्नविरुध॥ नलोकइअर्घ॥अन्यनागुण मातनसेवइआपणीमोटिमनघकास
ऊऊखिहूंचकोलन्नावुजाणीसावज्ञ नूलूसई॥ इतहीनकरइक्रोध॥तथाप्रज्ञानवंत॥

विमायाणए॥संसारिअंतेपडुमुदाहरंति॥२०॥लोभायाणाविय॥लूसएधामाणंसावद्यपगासंतोसणायाविय॥
धर्मपकाशइ॥२०॥

परनंदणयहा धन्नवातइत्यादिआसीवदिव॥ जीवमीदिहिंसा॥कोसंकाए॥ निर्वहइनहा॥विद्यादि॥धर्मक
स्यनकरइ वचननबोलइ१९ ना॥सावद्यजाणनिघइहिंसा॥ मोक्षिपदिकरासेऊमनि॥हनउमा
नइ॥ सारनकरइ॥ धकाइव

यरिदासऊद्धायायसियावायवियागरेज्जा॥२१॥चूतानिसेकाएडुंछमाणा॥णोणिन्हवेमंतपदाणगाएं॥किं
स्यादिलानननवीदइ॥ क्षमा॰असाधुनइधर्मतिसारूपधर्म॥ नकहइवचन॥नकहइधाम्धर्म॥ नियागसत्यबोलेइ॥कविनवच
धर्मपरूपकसाधु॥लोकनइखिपइ॥नसोधइनकरइ॥क्षमकरी॥२०॥ सावद्यधर्म॥ पएहइ॥

विमिल्लमुपयत्थु॥असाऊधम्माणि॥णसवएज्जा॥२२॥दासेपिणासंतिपूवधाम॥अंतदीयंफुससंवियाणे
नकरश्वत्मादा॥नकरइ॥आम॥ आऊलश्वनयाइ॥कपा॥ ऊता॥ २२॥ साधुमुखअर्घवदइ॥सकाइलेइसगयेनहाइरश्वघ
मृऊयलक्षानि॥ सत्याघा॥ धर्मकहतत्र॥यरहित॥ निसंकतहाऊवतत्र॥ऊमहइज्ञाणश्वनमकोइजाणइ
इमनकहइ॥

णाउछणणायविकंघइज्जा॥अणालयाअकसाइनिक्खू॥२४॥सोकज्जयासंकितंतावेनिरुविनज्ज
मृघकमृघकअर्घ॥ सायरअसत्य॥ धमवत्तारि॥ धर्मकहइराजानइराकरइ॥
वधाराकहइ॥कहइ॥ मिश्रनकहइ॥ समइन्नावि॥ २२॥ तहनइधमकहता॥

वयंचवियागरेज्जा॥नासाऊंधंमसमुट्ठितहिं॥वियागरेज्जासमयासुपन्ने॥२५॥अणुगच्छमाणेवि
काईअनेरत्नावि॥ तिमतिमघा॥ऊता॥ मधुरव॥ तहनइअवहा॥सामातिह॥ घोडनअर्घआल॥वस्तारइनकी
घाइइ॥ ववइ॥ चानकरी॥ लइनहा॥ नाननंदइ॥ ऊालइ॥ ॥२३॥

तंदेविजाणंतहातदासाऊंअकक्कासणे॥एकऊइत्तासविदेसइज्जा॥निसट्ठगंवाविणादीइइज्जा॥ २६

विषमअर्थावस्तारीसमझावइ॥ मात्तलीनइ समग॥ अर्थदिषा॥ आज्ञा॥ सुध॥ वचन॥ पऊजइ॥ करइ॥ यामनउ
अखलीतादिक बोलइ॥ ज्ञा॥ परिहार॥

समाजवद्यापडिउन्नासी॥ तिसामियासमिया अहदंसी॥ आणइमुदेवएणंतिउंजं॥ अतिसंधणपाव
ऊता॥२७॥ जिमगुरुकहइउंबइ॥ तिमऊसा॥ पइकरइ॥ ऊतनसउंघकासइ॥ मर्यादा॥ सावद्य॥ तिसमगुऊछा॥ समग
नउलघइ॥ नबोलइ॥ कहइनउनल्लसइ॥

विवगतिरक्ख॥२४॥ अद्धबुइयाइंतुसिरकएद्या॥ ऊहयाणातिवलेवदद्या॥ सदिहिंदिहिणाखसणद्या॥
तऊणाइसमय॥ बोलइ॥ ऊनउ॥ नाखतसमाधा॥२४॥ सूत्रनउअर्थ॥ नलूसंइ॥ नहा॥ सूत्रनो अर्थ॥ अन्यथानकरइ॥ जाई॥ गुरुनीनक्ति विचारीनइ॥ समगुबोलइ

सऊणाईनासिउंतंसमादिं॥ अत्थूसएणापइन्नासी॥ णाउत्तमञ्चेवकारहुताई॥ सऊरनतीयंअणुवी
जिमगुरुसमीपिधर्मसानलइ॥ २६॥ तेसाधु॥ सूत्रसूत्रवाचइ॥ तपवत॥ धर्मकहइ॥ जिकहइसिसूजिज्ञान॥ माननाक॥ व
तमऊकहइ॥ चनकई॥ एलईतिमतिसकहइ॥

इवायं॥ ऊयंवधम्मे चएडिवायएंति॥ २८॥ सेतुहसुतत्तवदाणवं॥ धम्मेचउविंदतित्तश॥ देवयवकुऊ
निपुण॥ वृक्ष॥ विमासी॥ सि॰तेऊता॥ योग्यांकहवइ॥ तेसामाधनइ॥ इति॥ बुवानि॥ ऊवस्तुऊतीतकालि
ऊइ॥ वर्तमानकालिव॥ तिरुइ॥

सलेवियत्त॥ सऊरिहइनासिउंतंसमादिं॥ तिबेमि॥ २९॥ त्रेधनामाध्ययनेवउहइमं॥ १४॥ ऊमतीतेपुप्पन्न

ऊणाऊः ते
हऊकरइ
ऊकोधश्चक
घरघकइ
संसारमा
हिःकामक
रणऊसंसा
रमाहऊन
मइमइणा
इनहीतेद
पाउइवइ॥
नमिऊता
इत्यादि॥३
इ॥ समिध
२०नमरइ
ऊमन्नावार
हाइ॥६७॥

आगासिएकालिजे॥ सवंजीवनउ॥ कृपाल॥ दरीणावरणी॥ ऊतकारी॥ संदिहनउ॥ जेसर्वजाणइ॥ तिरूपमुना
ऊस॥ सर्वजाणइनं॥ आदिधकर्मनउ ऊतकारक॥ २ णइ॥ तहमुराघउज्ञानवंत॥ तिरुपज्ञानपदा
को॥ नघी॥ धीनउ॥

आगमिस्सेणायउ॥ सव्वेमन्नतितंदेसणावरणेतए॥ ऊतंतविगिछाए॥ ऊजाणेतिआणलिसं॥ आणलिस
कहणहार॥ तिहानऊइखोधदिऊन्यदरीनइ॥ जेवीतरागिजेनत्ता॥ तिमइ॥ तहा॥ सत्यसंन्नादि॥ सर्वकालि॥ सत्यवचनइ॥ सिद्धी
नलीपरिकल्पा॥ जिमज्ञान॥ कल्पा॥ महित॥

सऊरकाया॥ णासक्खंतितंदिंदिं॥ २॥ तदिंतंदिंऊयकोयं॥ सत्थसमुऊदिणसदासव्वेणसंपउ॥ मिलिउ
जीवस्यउंकरइ॥ सर्वजीवनइ॥ नहणइ॥ एहधर्मी॥ सत्रमीनइ॥ जेतीसडीपरइ॥ लोक॥ एधर्मविषइ॥ भावनाभावइ॥ भावना
ज्ञाणी॥ इकरी॥

एसुकएणऽच्चएदिंनविराघ॥ एसधम्मबुसीमउ॥ साहऊंपरिन्नाय॥ छऽस्सिऊंवितत्तावणाधनाणऊं॥
केनिर्मल ज्ञानइकसंसारसमुद्र॥ जिमनावा॥ नागि. तिमएसर्वदुःखछु सर्वबंधनथीमुका ऊजाणलोक॥
ज्ञातीजइ विषइतेपरुषनावासमानइ॥ कहीइ॥ त्यगिज्ञाइ मुकाइथा॥ जेमेधवीकेहवेपाउत॥ विषइ

गछुएणा॥ ऊलणावाविआहिया॥ नावावतीरसंपन्ना॥ सद्धउकातिउइति॥ पतिउइइउमक्खवी॥ जाणलोगंमि
जेसावद्यानु पइनावानइ॥ उटऽएणापकर्मपूर्वला॥ नीवाकर्मि॥ ऊणकरतानथनवा॥ कर्मनउ॥ निऊरवइ॥ नमाडितउ॥ कर्मविदारवा
ष्ठानतेहनउ॥ अणकरनइ॥ कर्मऊइ॥ तिन्नाणईति॥ उपायनउज्ञाण

पावगा॥ उइतिएवकम्माणि॥ नवंकम्ममकुव्वओ॥ दुगुछणाए॥ खिकम्मेनामविजाणइ॥ विन्नायसम
महा॰कर्मसंघातखुविदारवाथाकी॥ महावीर॥ ऊ॰ऊन्मऊइ॥ मरणनऊइ॥ जेहनइपोतेनथीपूर्वेकृतकर्म॥ इउ॥ जिमवाइअग्निजिमवाइअग्नितिकर्मउ
हावीर॥ ऊणऊजाणमिधइउणमिधइमहावीर॥ ऊसनछिउरकडं॥ वालूवजालनमखतिपियालेजोसिहछिउ

पियाऊजोसि
॥ग्रहइ॥ लो
लोकवइ॥
मग्रखान
इ॥ लोगेएस
ण्तमग्रिखा
रूपवा
इसमानम
धुनइऊमा
न॥ सकइ॥
तेणइकर्म
बंधनाल
ऊ॥ ६॥

रवलइनहा

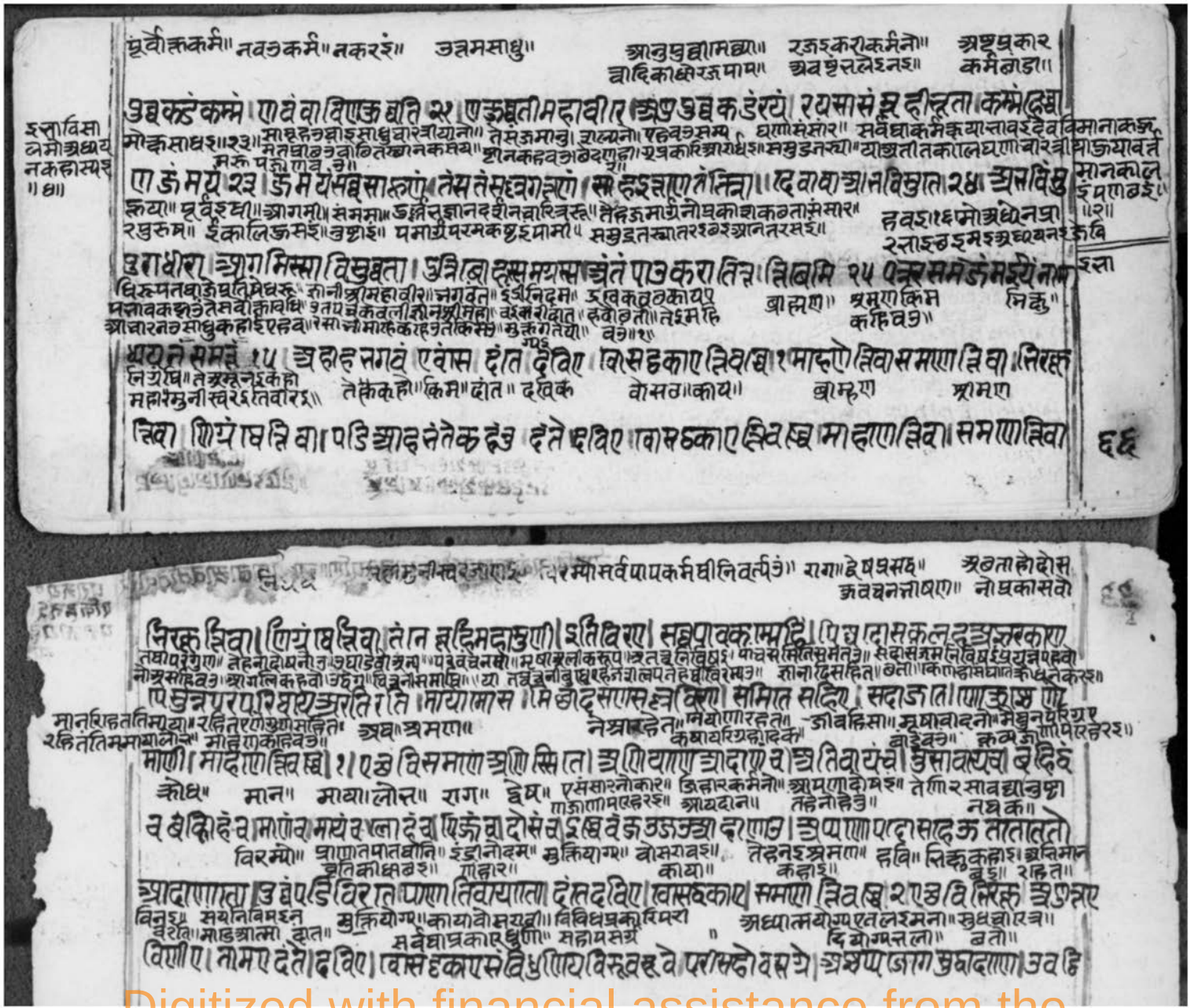

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017